दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

विश्व धरोहरों के संरक्षण का संकल्प.........
कर्तव्यबोध...

वर्ष : 12 | अंक : 110 | लखनऊ, 13 अप्रैल, सोमवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

तृणमूल व वामपंथी गुंडों का उपचार भाजपा के पास: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

बंगाल की डेमोग्रॉफी को बदलना चाहते हैं वोटबैंक के सौदागर

बांग्लादेश में दलित हिंदू की हत्या पर मौन रहीं ममता दीदी

अमन लेखनी समाचार/राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख

सोनामुखी (बांकुड़ा), 13 अप्रैल। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को पश्चिम बंगाल के चुनावी रण में उतरे। उन्होंने कांग्रेस, वामपंथी दलों व तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर कड़े प्रहार किए। सोनामुखी में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि तृणमूल के शासन में यहां बहुत तांडव हुआ है। हमारे कार्यकर्ता सुमन को गोली मार दी गई। स्वरूप घोष, पलाश घोष, उत्पल दास जैसे कार्यकताओं के घर उजाड़ दिए गए। सुशोभन का हाथ काट दिया। तृणमूल की गुंडागर्दी के ऐसे अनगिनत उदाहरण भरे पड़े हैं। सीएम ने बंगालवासियों का आह्वान करते हुए कहा कि दिल्ली में मोदी जी हैं, पश्चिम बंगाल में भी आप भाजपा सरकार लाइए, डबल इंजन सरकार दंगाइयों का इलाज कर देगी। तृणमूल व वामपंथी गुंडों का उपचार केवल भाजपा सरकार के पास है। सीएम योगी ने स्थानीय भाषा में संवाद स्थापित करते हुए कहा कि अब बंगाल में ह्यखेलाह्ण बंद और भाजपा की जीत से विकास शुरू होगा। उन्होंने मंच से भाजपा प्रत्याशियों सोनामुखी से दिबाकर घरामी, इंडास से निर्मल धारा व बरजोड़ा से बिलेश्वर सिंघा को जिताने की अपील की।

सीएम योगी ने कहा कि कुछ दिन पहले बांग्लादेश में एक दलित हिंदू की निर्मम हत्या हुई। इसके खिलाफ भाजपा ने आंदोलन किया, लेकिन बंगाल की मुख्यमंत्री ममता दीदी मौन रहीं। भय था कि बोलने पर उनका मुस्लिम वोट न खिसक जाए। वोटबैंक के सौदागर बंगाल की डेमोग्रॉफी को बदलना चाहते हैं। कांग्रेस, वामपंथी दलों और तृणमूल कांग्रेस को भावी पीढ़ी के साथ खिलवाड़ करने की छूट न दीजिए। ये लोग नवरात्रि आयोजन में व्यवधान पैदा करते हैं, जिसे अब बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। हम सब मिलकर बंगाल का पुराना वैभव लौटा सकते हैं। मैं इसी आह्वान के साथ आपके बीच आया हूं।

सीएम योगी ने बंगाल की धरती पर राष्ट्रगान के रचयिता गुरुदेव रविंद्र नाथ ठाकुर व राष्ट्रगीत के रचयिता बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को भी याद किया। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम ने जनचेतना को जागरूक कर हर भारतवासी के मन में स्वाधीनता की अलख जगाई। स्वाधीनता में अमर मंत्र बनकर वंदे मातरम ने भारत को एकता के सूत्र में जोड़ा। राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर मैं विश्वास से कह रहा हूं कि बंगाल परिवर्तन की नई राह पर चल पड़ा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बंगाल की दुर्दशा को देखकर दुख होता है। बंगाल भारत के अध्यात्म, संस्कृति, कला-शिक्षा की धरती है। इस धरती ने उच्चकोटि के आध्यात्मिक साधक दिए हैं। अपनी उद्यमिता, परिश्रम, कल-कारखानों, युवाओं की प्रतिभा, श्रमिकों के श्रम से बंगाल एक समय भारत की जीडीपी का बड़ा हिस्सा उपलब्ध कराता था, लेकिन पहले कांग्रेस, फिर वामपंथ और 15 वर्ष से तृणमूल कांग्रेस ने बंगाल को कंगाल करने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

मुख्यमंत्री ने खुदीराम बोस को याद कर कहा कि देश की आजादी के लिए उन्होंने हंसते-हंसते फांसी के फंदे को चूमा था। नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने उद्घोष किया था कि तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा। बंगाल ने स्वामी विवेकानंद जैसा संन्यासी दिया, जिन्होंने ह्यगर्व से कहो, मैं हिंदू हूंह्ण का भाव जगाया। बंगाल रामकृष्ण परमहंस व भारत सेवाश्रम संघ के संस्थापक स्वामी प्रणवानंद की धरती है, लेकिन भारत की संस्कृति की आत्मा और राष्ट्रवाद की धरती बंगाल को तृणमूल कांग्रेस ने तुष्टिकरण, लूट-खसोट, अराजकता की धरती बनाकर रख दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जो अराजकता, अव्यवस्था, गुंडागर्दी आज पश्चिम बंगाल में है, 9 वर्ष पहले वही स्थिति उत्तर प्रदेश में भी थी। वहां त्योहारों के पहले दंगे होते थे, महीनों कर्फ्यू रहता था। गुंडे-माफिया समानांतर सत्ता संचालन करते थे। 2017 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर उत्तर प्रदेश में जनता-जनार्दन ने डबल इंजन सरकार बनाई तो आज यूपी में तुष्टिकरण नहीं, संतुष्टिकरण है। सरकार नौजवान, गरीब, महिला, किसान, श्रमिक समेत सभी वर्गों के सम्मान के लिए कार्य कर रही है। यूपी में नो कर्फ्यू-नो दंगा, वहां सब है चंगा। यूपी के सभी गुंडे-माफिया जहन्नुम की यात्रा पर चले गए। यूपी में सुरक्षा का अहसास है। यूपी भारत की इकॉनमी में ग्रोथ इंजन के रूप में अपनी भूमिका निभा रहा है। अयोध्या के रामजन्मभूमि आंदोलन में बंगाल से भी कारसेवक गए थे। डबल इंजन सरकार आई तो बुलेट स्पीड से भव्य राम मंदिर का निर्माण भी हो गया।

सीएम योगी ने बंगाल के मतदाताओं से कहा कि जिस भी राज्य में भाजपा की डबल इंजन सरकार आई है, वहां इंफ्रास्ट्रक्चर, नौकरी, रोजगार, बेटियों व व्यापारियों की सुरक्षा हुई है। हर किसी को सुरक्षा की गारंटी है। किसानों का सम्मान, गरीब के आगे बढ़ने की संभावनाएं हैं। सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश में सरकारी योजनाओं से लाभान्वित लोगों का भी जिक्र किया। कहा कि बंगाल में सारी संभावनाएं हैं, बस मतदाताओं के समर्थन व आशीर्वाद की आवश्यकता है। 1905 में जब ब्रिटिशर द्वारा बंगाल विभाजन की साजिश रची गई थी, तब बंगाल ने आह्वान किया था कि हम विभाजित नहीं होंगे। उस समय बंगाल से स्वदेशी की हुंकार निकली थी और पूरे भारत को स्वाधीनता आंदोलन से जोड़ने का कार्य किया था।

खबर संक्षेप

नेताजी के प्रपौत्र चंद्र कुमार टीएमसी में गए

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 से ठीक पहले बड़ा उलटफेर हुआ है। रविवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस के प्रपौत्र चंद्र कुमार बोस तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। उन्होंने 3 पहले भाजपा छोड़ दी थी। उन्होंने कहा, भाजपा विभाजनकारी राजनीति कर रही है।

पंजाब में 'बेअदबी' पर होगी उम्रकैद: मान

अमृतसर। पंजाब की भगवंत मान सरकार ने गुरु ग्रंथ साहिब का अपमान करने वालों के लिए उम्रकैद की सजा से जुड़े एक विधेयक को मंजूरी दी है। मान की अध्यक्षता में हुई सूबे के मंत्रिमंडल की बैठक में जागृत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) विधेयक, 2026 को मंजूरी दी गई।

भाजपा, कांग्रेस और आप से एक ही उम्मीदवार

अहमदाबाद। गुजरात के दाहोद जिले में जिला पंचायत चुनाव के दौरान एक अनोखा मामला सामने आया है, जिसने सियासी हलचल बढ़ा दी है। पिपेरो सीट के लिए एक ही उम्मीदवार ने तीन अलग-अलग पार्टियों भाजपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी से नामांकन भर दिया है। यह मामला लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया है।

छत के रास्ते घुसे, नकदी लाखों का सामान उड़ाया

रायबरेली। हिलहा में शनिवार की रात चोर छत के रास्ते घर में घुस गए। चोरों ने कमरे और बक्से का ताला तोड़ नकदी समेत 4.5 लाख का सामान पार कर दिया। पीड़ित किसान के भतीजे ने 7 युवकों पर चोरी में शामिल होने की आशंका जताते हुए पुलिस को नामजद तहरीर दी है। राम प्रताप शनिवार को कहीं गए थे। उनकी पत्नी व बेटा सो रहे थे।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पर प्रधानमंत्री ने सभी दलों को पत्र लिखा

एक स्वर में संशोधन को पारित कराने में सभी सहयोग दें, अपने विचार साझा करें

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

केंद्र ने 16 से 18 अप्रैल तक संसद का विशेष सत्र आहूत किया

इसके पास होने से संसद होगी गौरवान्वित

पीएम नरेंद्र मोदी ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पर संसद में सभी दलों के नेताओं को पत्र लिखकर उनसे समर्थन का आग्रह किया है। पीएम मोदी ने कहा कि हम सभी को एक स्वर में इस संशोधन को पारित कराने के लिए एकजुट होना चाहिए और इस विषय पर विचार रखने चाहिए। यह अवसर किसी एक पार्टी या व्यक्ति से ऊपर है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 16 अप्रैल से देश की संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम से जुड़ी एक ऐतिहासिक चर्चा होने जा रही है। ये विशेष बैठक लोकतंत्र को और मजबूत बनाने का अवसर है। ये सबको साथ लेकर चलने की प्रतिबद्धता को दोहराने का अवसर है। कोई भी समाज तभी आगे बढ़ता है, जब वहां महिलाओं को आगे बढ़ने, निर्णय लेने और नेतृत्व करने का अवसर मिलता है। देश ने विकसित भारत का जो संकल्प लिया है, अब आवश्यक है कि इस यात्रा में नारी शक्ति अपनी पूरी क्षमता और पूरी भागीदारी के साथ जुड़ें। भारत की बेटियां स्पेस से लेकर स्पोर्ट्स और सशस्त्र बलों से लेकर स्टार्ट-अप्स तक, हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं।

2029 के चुनाव के पहले अधिनियम लागू हो

पीएम मोदी ने यह भी लिखा कि गहन मंथन के बाद हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि अब समय आ गया है कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम अपनी पूर्ण भावना के साथ देश में लागू हो। यह उचित होगा कि 2029 का लोकसभा चुनाव और सभी विधानसभा चुनाव महिला आरक्षण को पूरी तरह लागू करने के बाद हों।

2023 में सभी ने किया था समर्थन

पीएम मोदी ने कहा कि दसंसद और विधानसभाओं में महिला आरक्षण की चर्चा दशकों से होती आ रही है। उन्होंने पत्र में लिखा कि 2023 में संसद में सभी दलों के सांसदों ने एक साथ आकर नारी शक्ति वंदन अधिनियम का समर्थन किया था। यह हमारी एकजुटता को दिखाने वाला एक अविस्मरणीय अवसर था। ऐसा करके हमने देश की नारी शक्ति के प्रति अपने वचन को पूरा किया था।

इससे देश की माताओं-बहनों और बेटियों के प्रति असीम दायित्वों का निर्वहन होगा

पीएम मोदी ने कहा कि यह देश की नारी शक्ति की सिद्धि का विषय है, 140 करोड़ देशवासियों की सिद्धि का विषय है। इस अवसर को हमें छोड़ना नहीं है। संशोधन को आपका समर्थन देश की माताओं-बहनों और बेटियों के प्रति असीम दायित्वों का निर्वहन होगा।

अब राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश कर रहे: खरगे

कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जन खरगे ने कहा कि इससे विपक्ष का यह यकीन और पक्का हो जाता है कि केंद्र सरकार इस बिल को लागू करने में इसलिए जल्दबाजी कर रही है ताकि वह महिलाओं को सचमुच सशक्त बनाने के बजाय राजनीतिक फायदा उठा सके। खरगे ने कहा कि जब 2023 में संसद ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित किया था, तब कांग्रेस ने यह मांग की थी कि यह अहम कानून तुरंत प्रभाव से लागू किया जाए। अब तक 30 महीने बीत चुके हैं, अब यह विशेष सत्र हमें भरोसे में लिए बिना बुलाया गया है।

ये आचार संहिता का उल्लंघन: जयराम

राज्यसभा सांसद और कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि चुनावों के बीच संसद का विशेष सत्र बुलाया जाना आदर्श आचार संहिता का स्पष्ट उल्लंघन है। जयराम ने 'एक्स' पर लिखा, खरगे ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर संसद के विशेष सत्र पर अपनी बात रखी है। यह तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में चल रहे चुनावी अभियान के बीच बुलाया जा रहा है, जो कि आदर्श आचार संहिता का स्पष्ट उल्लंघन है।

जातिगत गणना को ठंडे बस्ते में डाल रहे

कांग्रेस ने का कहना है कि सरकार जाति जनगणना को जानबूझकर टालना चाहती है और महिलाओं के आरक्षण कानून में बदलाव करके देश को गुमराह कर रही है। जयराम ने कहा कि सरकार का इरादा जाति जनगणना को 'ठंडे बस्ते' में डालने का है। प्रधानमंत्री इस मुद्दे पर भारी भ्रम फैला रहे हैं।

बिहार की सियासत में गरमी बढ़ी

भाजपा ने शिवराज को पर्यवेक्षक बना पटना भेजा, वे जानेंगे राय

राज्य में मुख्यमंत्री पद को लेकर गहमा-गहमी बढ़ी

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जल्द ही मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे सकते हैं। इस बीच बिहार भाजपा के विधायक दल की बैठक लिए पार्टी ने केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त कर दिया है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को बिहार में भाजपा विधायक दल की बैठक के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। शिवराज की देखरेख में भाजपा विधायक दल की बैठक होगी और पार्टी का नेता चुना जाएगा। भाजपा ने एक्स में लिखा, संसदीय बोर्ड ने बिहार में पार्टी विधायक दल के नेता के चुनाव को लिए शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण, ग्रामीण विकास मंत्री, भारत सरकार को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है।

पटना में लगे सम्राट निशांत के पोस्टर

पटना में सम्राट चौधरी और निशांत कुमार के समर्थन में पोस्टर लगाए गए हैं। कुछ जदयू कार्यकर्ताओं ने नीतीश कुमार से अगला मुख्यमंत्री निशांत कुमार को बनाने की मांग की है। दूसरी ओर वाल्मीकि समाज के कार्यकर्ता सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनाने की मांग कर रहे हैं। हालांकि भाजपा विधायक दल का नेता किसे चुनती है, इस पर सब कुछ निर्भर करेगा। जेडीयू कार्यकर्ताओं ने पटना में निशांत कुमार के समर्थन में पोस्टर लगाए। इन पोस्टरों पर लिखा है, बिहार में ना तो बुलडोजर बवाल चाहिए और न ही फिर से दंगा फसाद चाहिए।

14 को इस्तीफा दे सकते नीतीश

बताया जा रहा बिहार सरकार ने 14 अप्रैल को सुबह 11 बजे कैबिनेट की बैठक में बुलाई है। इस बैठक की अध्यक्षता नीतीश कुमार कर सकते हैं और इसके बाद नीतीश राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप सकते हैं। इस दौरान शिवराज स भी उनके साथ रहेंगे। जेडीयू और भाजपा के नेता मुख्यमंत्री पद को लेकर कुछ बोल नहीं रहे हैं।

सीएम हाउस पहुंचे कई मंत्री

बिहार में नई सरकार के गठन को लेकर सियासत तेज हो गई। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आवास पर कई मंत्रियों का जमावड़ा रहा। लोग उनसे मिलने के लिए पहुंचे। मंत्री श्रवण कुमार, लेसी सिंह, शिक्षा मंत्री सुनील कुमार समेत कई नेताओं का जमावड़ा रहा। सीएम पद से इस्तीफा के बाद भाजपा की तरफ से एनडीए गठबंधन का अगला मुख्यमंत्री चुना जाएगा।

धर्मशाला में हादसा टला

एचआरटीसी बस का ब्रेक फेल पहाड़ी से टकराई, 12 लोग जख्मी

बस धर्मशाला से जा रही थी होशियारपुर

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

मुबारिकपुर-भरवाई रोड पर रविवार को एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। धर्मशाला से होशियारपुर जा रही हिमाचल पथ परिवहन निगम की बस के अचानक ब्रेक फेल हो गए, लेकिन चालक की सतर्कता ने कई लोगों की जान बचा ली। बस जब सिद्ध चलेहड़ मार्ग के पास पहुंची, तो उसके ब्रेक ने काम करना बंद कर दिया। बस सड़क किनारे खड़ी श्रद्धालुओं की गाड़ी से जा टकराई। चालक ने खाई में गिरने से बचाने पास की एक पहाड़ी से टकरा दिया। बस में लगभग 50 यात्री सवार थे। 12 से ज्यादा यात्री घायल हो गए हैं।

सप्तऋषि घाट पर गंगा का जलस्तर बढ़ने से कई लोग फंसे

बचाव दलों ने सभी 21 लोगों का सफल रेस्क्यू किया

10 पुरुष, 7 महिला और 4 बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

गंगा में अचानक जलस्तर बढ़ने से रविवार को सप्तऋषि घाट और कबीर कुटीर क्षेत्र में टापू पर फंसे लोगों को प्रशासन और पुलिस की तत्परता से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। संयुक्त रेस्क्यू अभियान में कुल 21 लोगों को सकुशल बचा लिया गया, जिससे एक बड़ी अनहोनी टल गई। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी मीरा रावत के अनुसार सुबह करीब 10:40 बजे कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि सप्तऋषि घाट पर गंगा का जलस्तर बढ़ने से कई लोग फंस गए थे।

हरिद्वार में टली अनहोनी

टापू पर स्नान कर रहे श्रद्धालुओं को बचाया

कबीर कुटीर घाट, सप्तऋषि क्षेत्र में भी गंगा के बीच बने टापू पर स्नान कर रहे श्रद्धालु जलस्तर बढ़ने से फंस गए। तेज बहाव के कारण लोग टापू से बाहर नहीं निकल सके। चौकी इंचार्ज, चेतक कर्मियों और जल पुलिस के साथ बोट एवं राहत उपकरणों के जरिए मौके पर पहुंचे।

लोगों ने पुलिस को सूचना दी

तेज बहाव को देखकर उनकी सांस अटकने लगी। लोगों को इस प्रकार टापू पर फंसा देखकर किनारे मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस और बचाव दल की टीमें सक्रिय हो गई और बचाव अभियान को तेज कर दिया गया।

दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान से आए थे

इस अभियान में टापू पर फंसे 10 पुरुष, 7 महिलाएं और 4 बच्चे को सुरक्षित किनारे पर लाया गया। सभी लोग दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान के निवासी हैं। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि गंगा में स्नान करते समय जलस्तर और बहाव का विशेष ध्यान रखें।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बंथरा इलाके में शनिवार को एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक बंथरा के उम्मेद खेड़ा निवासी अमरीश धीमान की 3 वर्ष पहले उन्नाव जिले के हसनगंज निवासी संजना (24) के साथ शादी हुई थी। संजना पिछले दो वर्षों से किडनी की बीमारी से ग्रसित थी। जिसको लेकर उसका इलाज चल रहा था। शुक्रवार रात घर के सभी लोग खाना खाकर सो गए।शनिवार सुबह जब अमरीश अपनी पत्नी संजना को जगाने गया तो वह मृत अवस्था में बेड पर पड़ी मिली। इसके बाद उसने संजना के मायके वालों को घटना की सूचना दी। वहीं इसी बीच किसी ने पुलिस को घटना की सूचना दे दी। पुलिस का कहना है कि शुरूआती जांच में पता चला है कि उसकी मौत किडनी की बीमारी से हुई है।पुलिस ने बताया कि इस मामले में मृतका के मायके वालों ने ना तो कोई तहरीर दी है और ना ही किसी के ऊपर कोई आरोप लगाया है। लेकिन उनके कहने पर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही उसकी मौत का सही कारण पता चल सकेगा।

प्रख्यात गायिका आशा भोसले के निधन पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने व्यक्त किया गहरा शोक

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रख्यात गायिका एवं पद्म विभूषण से सम्मानित आशा भोसले के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है उप मुख्यमंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा कि आशा भोसले का निधन अत्यंत दुःखद है तथा यह संगीत जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि अपनी अनुपम सुर-साधना, बहुमुखी प्रतिभा और अद्वितीय गायन शैली से उन्होंने भारतीय संगीत को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाई। श्री मौर्य ने कहा कि उनके द्वारा गाए गए गीत सदैव जनमानस के हृदय में जीवित रहेंगे और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोक-संतप्त परिजनों एवं उनके असंख्य प्रशंसकों को इस कठिन समय में संबल प्रदान करें।

डबल इंजन सरकार में बीमा क्षेत्र को मिल रही नई गति : केशव प्रसाद मौर्य

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। आगरा के फतेहाबाद रोड स्थित होटल ग्राण्ड मरक्यूर में आयोजित भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के विकास अधिकारियों के संगठन नेशनल फेडरेशन ऑफ इंश्योरेंस फील्ड वर्कर्स ऑफ इंडिया की उत्तर मध्य क्षेत्रीय द्विवर्षीय आमसभा/वार्षिक सम्मेलन के द्वितीय दिवस पर आज उत्तर प्रदेश के माननीय उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। अपने प्रेरणादायक संबोधन में उन्होंने कहा कि भारतीय जीवन बीमा निगम देश की अर्थव्यवस्था का एक मजबूत स्तंभ है, जो आमजन को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण में भी अहम भूमिका निभा रहा है। उन्होंने विकास अधिकारियों को संस्था की रीढ़ बताते हुए कहा कि उनके समर्पण, परिश्रम और प्रतिबद्धता से एलआईसी निरंतर नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहा है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार वित्तीय समावेशन और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य कर रही है। जनधन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना जैसी योजनाओं के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक सुरक्षा का लाभ पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार विकास अधिकारियों की समस्याओं के समाधान के लिए पूर्णतः संवेदनशील है और उनके हितों की रक्षा हेतु हर संभव प्रयास किए जाएंगे। साथ ही उन्होंने बीमा क्षेत्र में डिजिटल तकनीक के विस्तार, पारदर्शिता एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बीमा जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया तथा विश्वास व्यक्त किया कि ऐसे सम्मेलन संगठन को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में संगठन के राष्ट्रीय महासचिव विवेक सिंह ने उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का स्वागत करते हुए संगठन की गतिविधियों एवं विकास अधिकारियों की भूमिका पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। क्षेत्रीय सचिव संजय शाही ने धन्यवाद ज्ञापित किया, जबकि मंडलीय अध्यक्ष अनिल द्विवेदी, मंडलीय महासचिव मुकुल उपमन्यु एवं इलाहाबाद के विकास अधिकारी संजय श्रीवास्तव सहित अन्य पदाधिकारियों ने उनका विशेष सम्मान किया। सम्मेलन में उत्तर मध्य क्षेत्र (उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड) की 225 शाखाओं से 600 से अधिक प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। आगरा, वाराणसी, गोरखपुर, अलीगढ़, इलाहाबाद, फैजाबाद, कानपुर, देहरादून, हल्द्वानी, बरेली, मेरठ एवं लखनऊ सहित 12 डिवीजनों की सक्रिय भागीदारी ने कार्यक्रम को सफल एवं प्रभावी बनाया इस अवसर पर विधान परिषद सदस्य विजय शिवहरे, विधायक भगवान सिंह कुशवाहा, डॉ. जी.एस. धर्मेश, एवं प्रशांत पोनिया, राजकुमार गुप्ता सहित अन्य गणमान्य नागरिक एवं एलआईसी परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। इस महत्वपूर्ण आमसभा में देशभर से संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें ऑल इंडिया प्रेसिडेंट विनय बाबू, ऑल इंडिया सेक्रेटरी जनरल विवेक सिंह, भूतपूर्व प्रेसिडेंट मिहिर लोखंडवाला (मुंबई), रेजिडेंट सेक्रेटरी करण बुटोला (दिल्ली), ट्रेजरर राजीव कृष्ण त्रिपाठी (वाराणसी), वेस्टर्न जोन के जोनल प्रेसिडेंट पी.एस. राणा (राजकोट), जोनल सेक्रेटरी मिलिंद मिश्रा (नासिक), सेंट्रल जोन के क्षेत्रीय अध्यक्ष अभय सिंह परिहार (सतना), क्षेत्रीय सचिव अजय विजरा (भोपाल), उत्तर मध्य क्षेत्र के जोनल प्रेसिडेंट श्री मनीष रस्तोगी (कानपुर) एवं जोनल सेक्रेटरी संजय साहू (गोरखपुर) सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

आवारा कुत्तों का आतंक जारी, मासूम को नोच कर किया लहूलुहान

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। रहीमाबाद क्षेत्र में आवारा कुत्तों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। रविवार शाम को अपने बाबा के साथ खेत गई मासूम को वहां पहले से बैठे कुत्तों के झुंड ने अचानक हमला कर दिया। हमले में मासूम को बुरी तरह से नोच डाला ग्रामीणों ने आनन फानन उसे सीएचसी पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने हालत गंभीर देख उसे ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। रहीमाबाद के ग्राम तरौना निवासी मुकेश की पोती 6 वर्षीय पोती अनाया अपने बाबा के साथ खेत गई थी। तभी वहां झुंड में मौजूद एक दर्जन कुत्तों ने उस पर हमला बोल दिया। बाबा ने मासूम को बचाने का काफी प्रयास किया लेकिन आवारा कुत्तों ने उसके शरीर को बुरी तरह से नोच डाला जिसे परिजनों ने मलिहाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने हालत गंभीर देख उसे ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। जहां उसका इलाज जारी है। इससे पहले भी आवारा कुत्तों के एक झुंड ने उसी गांव निवासी

एक मासूम को नोच नोच कर मौत के घाट उतार दिया था। आए दिन हो रहे हमलों से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है और लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो गया है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से आवारा कुत्तों की समस्या से निजात दिलाने की मांग की है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार घायल, बाइक जली

अमन लेखनी समाचार

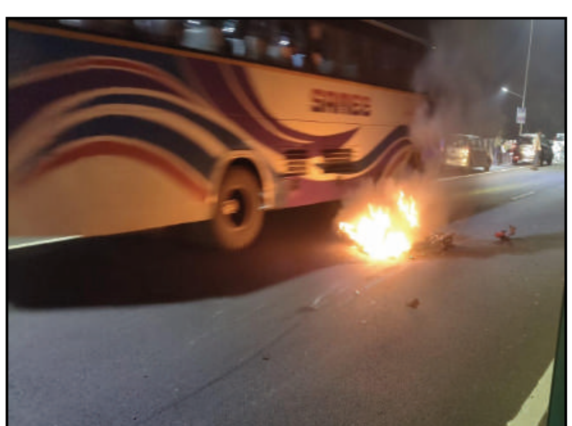

आग का गोला बनी बाइक – फोटो

लखनऊ। शादी के सजावट कार्य से बाइक से जा रहे युवक की बाइक में अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और बाइक में आग लग गई। घायल अवस्था में युवक को ग्रामीणों ने नजदीकी अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने हालत गंभीर देख उसे लखनऊ रेफर कर दिया। मलिहाबाद मिजार्गंज निवासी नीरज सैनी (29) रविवार रात करीब 9 बजे शादी के सजावट के कार्य से बाइक से मुजासा जा रहे थे। तभी मिजार्गंज ओवरब्रिज के ऊपर पहुंचते ही अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया वहीं बाइक धूं धूं कर जलने लगी जिसकी सूचना राहगीरों ने पुलिस और दमकल टीम को दी सूचना पर पहुंची दमकल टीम ने कुछ ही मिनटो में आग पर काबू पा लिया लेकिन तब तक बाइक पूरी तरह जलकर नष्ट हो चुकी थी। और घायल अवस्था मे युवक को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया जहां चिकित्सकों ने हालत गंभीर देख उसे लखनऊ रेफर कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि घायल युवक इधर-उधर शादी बारात में सजावट का कार्य करता है। इस संबंध में मलिहाबाद इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि प्रथम दृष्ट से प्रतीत हो रहा है कि किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी है जिससे यह घटना घटी है। बाइक पूरी तरह जलकर नष्ट हो गई। आसपास लगे सीसीटीवी के माध्यम से घटना की जानकारी जुटाई जा रही है।

शिक्षकों की हर समस्या का होगा समुचित समाधान - केशव प्रसाद मौर्य

यूटा के प्रांतीय अधिवेशन में शिक्षकों के योगदान को मिला सम्मान

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षकों की हर समस्या के समाधान के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। शिक्षक और विद्यालय सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं।उप मुख्यमंत्री रविवार को आगरा के फतेहाबाद रोड स्थित राजदेवम् ऑडिटोरियम में आयोजित यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन (यूटा) के दो दिवसीय प्रांतीय अधिवेशन में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज सरकारी विद्यालय संसाधनों, सुविधाओं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के मामले में महंगे निजी एवं कॉन्वेंट स्कूलों को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन हमारे समर्पित शिक्षकों के परिश्रम और नवाचारपूर्ण शिक्षण पद्धतियों का परिणाम है। उन्होंने शिक्षकों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी शिक्षक समाज निर्माण का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। उप मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न शैक्षिक योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार, डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा, छात्र-छात्राओं के समग्र विकास एवं शिक्षकों के सशक्तिकरण के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। उन्होंने शिक्षकों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं के समाधान के लिए सरकार संवेदनशील एवं तत्पर है।कार्यक्रम में उन्होंने यूटा के नव निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए संगठन की सक्रिय भूमिका की सराहना की। अधिवेशन मे विभिन्न वक्ताओं ने अपने संबोधन में शिक्षकों की प्रतिबद्धता की प्रशंसा करते हुए कहा कि शिक्षक विपरीत परिस्थितियों में भी शिक्षा की अलख जगा रहे हैं, जो समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। कार्यक्रम के दौरान यूटा के प्रदेश अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह राठौर ने उप मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए संगठन की गतिविधियों एवं शिक्षकों की समस्याओं पर प्रकाश डाला।इस अवसर पर विधान परिषद सदस्य विजय शिवहरे, शिक्षक विधायक डॉ. मानवेन्द्र प्रताप सिंह, विधायक भगवान सिंह कुशवाहा, डॉ. जी. एस. धर्मेश प्रशांत पोनिया, राजकुमार गुप्ता, सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

यूपी भाजपा संगठन में बदलाव की तैयारी

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव पहुंचे लखनऊ, वरिष्ठ नेताओं से की मुलाकात

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश भाजपा संगठन में नई टीम के गठन को लेकर गतिविधियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े रविवार दोपहर लखनऊ पहुंचे। पार्टी कार्यालय में उन्होंने कई वरिष्ठ नेताओं से अलग-अलग मुलाकात कर संगठनात्मक बदलाव और राजनीतिक नियुक्तियों को लेकर चर्चा की।

लखनऊ प्रवास के दौरान विनोद तावड़े ने डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक से मुलाकात की। इसके अलावा उन्होंने कैबिनेट मंत्री राज्यमंत्री रजनी तिवारी और महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता चौहान से भी बातचीत की।

इन बैठकों में संगठन और सरकार से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। तावड़े ने भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सूर्य प्रताप शाही से भी मुलाकात की। इस दौरान प्रदेश पदाधिकारियों की नियुक्ति और विभिन्न राजनीतिक पदों पर संभावित बदलावों को लेकर विचार-विमर्श किया गया।

साथ ही डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य से भी उनकी मुलाकात प्रस्तावित है। सूत्रों के अनुसार, विनोद तावड़े सोमवार को भी लखनऊ में रुककर कार्यकर्ताओं और विधायकों से जमीनी फीडबैक लेंगे।

बताया जा रहा है कि इस दौरान उच्च स्तरीय बैठक हो सकती है। इसके बाद वह अपनी रिपोर्ट पार्टी हाईकमान को सौंपेंगे। माना जा रहा है कि इसी रिपोर्ट के आधार पर यूपी भाजपा की नई टीम और राजनीतिक नियुक्तियों पर अंतिम मुहर लगाई जाएगी। इस बीच भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी रविवार को दिल्ली पहुंचे और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। बताया जा रहा है कि इस बैठक में प्रदेश संगठन के गठन, राजनीतिक नियुक्तियों और संभावित मंत्रिमंडल विस्तार पर चर्चा हुई। इससे पहले पंकज चौधरी ने शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी मुलाकात की थी। इस पूरे घटनाक्रम पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक का कहना है कि भाजपा में संगठनात्मक प्रक्रिया लगातार चलती रहती है और यह कोई नई बात नहीं है। उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व के निर्देशों के अनुसार सभी कार्य किए जाते हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, राष्ट्रीय स्तर पर नए नेतृत्व के गठन के बाद अब राज्यों में भी संगठन को नए सिरे से मजबूत करने की रणनीति पर काम हो रहा है। इसी के तहत उत्तर प्रदेश में करीब तीन साल बाद संगठनात्मक बदलाव की तैयारी की जा रही है। सूत्रों का यह भी कहना है कि नई टीम में लंबे समय से पदों पर बने कुछ पदाधिकारियों को हटाया जा सकता है और नए चेहरों को मौका दिया जा सकता है।

नई टीम के गठन में क्षेत्रीय और जातीय संतुलन साधने पर विशेष ध्यान दिया जा सकता है। बताया जा रहा है कि पूर्वांचल क्षेत्र का प्रभाव पहले से अधिक होने के चलते अब पश्चिमी यूपी, अवध, बुंदेलखंड और काशी क्षेत्र को संगठन में ज्यादा प्रतिनिधित्व दिया जा सकता है। यह बदलाव आगामी चुनावी रणनीति को ध्यान में रखते हुए करने की तैयारी है।

आवास पर मिले राजनाथ से विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। रक्षा मंत्री एवं लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह से उनके लखनऊ प्रवास के दौरान विभिन्न सामाजिक, धार्मिक और व्यापारिक संस्थाओं के प्रतिनिधि मंडलों ने 5 ए कालिदास मार्ग आवास पर भेंट की, इनमें साहित्य सभा का डा. सर्वेश अस्थाना, उ०प्र० राज्य विश्वविद्यालय कर्मचारी महासंघ एवं कर्मचारी शिक्षक संयुक्त मोर्चा प्रतिनिधि मण्डल से संजय शुक्ला, आदर्श व्यापार मण्डल अध्यक्ष संजय गुप्ता, राजाजीपुरम परिक्षेत्र उद्योग व्यापार मण्डल का प्रतिनिधि मण्डल उमेश कुमार शर्मा, सौरभ शर्मा, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद प्रतिनिधि मण्डल अध्यक्ष सुरेश रावत, महामंत्री अतुल मिश्रा, उत्तर रेलवे पेंशनर्स एसोसिएशन प्रतिनिधि मंडल अध्यक्ष महेन्द्र मोहन भट्ट, उपाध्यक्ष विजय कुमार सिंह, सदस्य राज्य महिला आयोग से राजेश सिंह एवं ऋतु सहाय, लखनऊ गेस्ट हाउस एवं रेस्टोरेंट ओनर एसोसिएशन से सुरेन्द्र शर्मा, राष्ट्रीय सहारा प्रतिनिधि मण्डल से कलानिधि मिश्र, प्रशांत दीक्षित, उद्योग व्यापार मण्डल का प्रतिनिधि मण्डल से प्रदेश अध्यक्ष मुकुन्द मिश्रा, डायोसिस आफ लखनऊ क्राइस्ट चर्च हजरतगंज से प्रतिनिधियों ने क्षेत्र से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा करते हुए आवश्यक कार्यों को कराए जाने का अनुरोध किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आवश्यक कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए।

ऑपरेशन सिंदूर में शहीद परिवार की भेट

रक्षामंत्री एवं लखनऊ सांसद राजनाथ सिंह ने शहीद सुनील कुमार की धर्मपत्नी सुजाता कुमारी, पुत्र सौरभ, शिवेश के साथ निशांत, सुशांत, अखिलेश परिवार सदस्यों से भेंट किया। रक्षामंत्री एवं सांसद राजनाथ सिंह ने परिवार का हाल चाल जानने के बाद परिवार को सदस्यों को आशीर्वाद दिया।

पार्षद रानी कनौजिया को अर्पित की श्रद्धांजलि

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने महानगर पूर्व महामंत्री राम अवतार कनौजिया के ठाकुरगंज स्थित आवास गए और उनकी धर्मपत्नी दौलतगंज वार्ड पार्षद स्वर्गीय रानी कनौजिया के निधन के उपरांत चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित की। परिजनों से भेंट करके शोक संवेदना व्यक्त की और दिवंगत आत्मा को शांति के लिए प्रार्थना की।

सीलिंग कार्रवाई के खिलाफ रक्षामंत्री से मिले व्यापारी

लखनऊ। तेलीबाग, पत्रकारपुरम सहित राजधानी के प्रमुख बाजारों में एलडीए की ओर से की जा रही सीलिंग की कार्रवाई और पुराने भवनों का नक्शा मांगे जाने के विरोध में व्यापारियों ने रविवार को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह से शिकायत की। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने बताया कि एलडीए की ओर से गोमती नगर विवेक खंड और तेलीबाग जैसे क्षेत्रों में दशकों पुराने भवनों को नोटिस देकर नक्शा मांगा जा रहा है और सीलिंग की धमकी दी जा रही है।

उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में 90 प्रतिशत से अधिक व्यावसायिक गतिविधियां हो रही हैं, उन्हें सरकार द्वारा मार्केट स्ट्रीट घोषित किया जाए। इसमें गोमती नगर विवेक खंड, पत्रकारपुरम, तेलीबाग, कपूरथला और सीतापुर रोड के बाजारों को शामिल करने का सुझाव दिया गया है। जिस तरह अवैध कॉलोनियों को नियमित किया जाता है, उसी तर्ज पर 15 साल से अधिक पुराने भवनों को नियमित किया जाना चाहिए। वहीं रक्षामंत्री ने व्यापारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उन्हें आश्वस्त किया कि इस मामले का उचित और न्यायसंगत समाधान निकाला जाएगा।

सर्विस सेंटर पहुंची एक्टिवा में निकले दो सांप, मची अफरा-तफरी बाल-बाल बचा युवक

अमन लेखनी समाचार

पीजीआई, लखनऊ। पीजीआई थाना क्षेत्र में रविवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब एक युवक की एक्टिवा स्कूटर में दो सांप निकलने की सनसनीखेज घटना सामने आई। यह घटना इलाके में चर्चा का विषय बन गई और मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीजीआई क्षेत्र निवासी शिवम अपनी एक्टिवा वढ 32 फद 0660 को सर्विस कराने के लिए मवैया स्थित होंडा सर्विस सेंटर पहुंचे थे। सर्विस के दौरान जब कर्मचारियों ने गाड़ी की जांच शुरू की, तो उन्हें वाहन के अंदर कुछ हलचल महसूस हुई। संदेह होने पर जब गहराई से निरीक्षण किया गया तो उसमें सांप होने की आशंका जताई गई।स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सर्विस सेंटर कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। उन्होंने तुरंत वाहन की सर्विस करने से मना कर दिया और युवक को सलाह दी कि पहले किसी तरह सांपों को बाहर निकलवाया जाए, तभी गाड़ी की सर्विस संभव हो सकेगी। यह सुनते ही युवक के होश उड़ गए और वह घबरा गया।इसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से काफी देर तक मशक्कत की गई। सावधानी बरतते हुए वाहन के विभिन्न हिस्सों को खोलकर जांच की गई, जिसके बाद एक्टिवा के अंदर छिपे दोनों सांपों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। राहत की बात यह रही कि इस दौरान कोई भी व्यक्ति घायल नहीं हुआ।घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर इकट्ठा हो गए और कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि, सांपों को सुरक्षित बाहर निकाल लेने के बाद स्थिति सामान्य हो गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि गर्मी के मौसम में सांप अक्सर ठंडी और सुरक्षित जगहों की तलाश में वाहनों या घरों में घुस जाते हैं। ऐसे में लंबे समय तक खड़ी रहने वाली गाड़ियों की नियमित जांच करना बेहद जरूरी है। विशेषज्ञों के अनुसार, वाहन स्टार्ट करने से पहले उसके नीचे और अंदर की जांच कर लेना चाहिए, खासकर यदि गाड़ी कई दिनों से खड़ी हो। साथ ही, किसी भी संदिग्ध स्थिति में खुद से छेड़छाड़ करने के बजाय विशेषज्ञ या रेस्क्यू टीम की मदद लेना ही सुरक्षित विकल्प है।

डीसीपी ने बंथरा और बिजनौर थाने का किया औचक निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। पुलिस उपायुक्त (दक्षिणी) अमित कुमार आनंद ने रविवार को बंथरा और बिजनौर थाने का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाने की व्यवस्थाओं का गहनता से जायजा लेते हुए कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर जांच की। उन्होंने निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई की स्थिति, महिला हेल्प डेस्क की कार्यप्रणाली, मालखाना, बैरक, शस्त्रागार, हवालात, साइबर हेल्प डेस्क सहित विभिन्न रजिस्टरों एवं अभिलेखों के रखरखाव को विस्तार से परखा। पुलिस उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अभिलेखों को अद्यतन रखने, शिकायतों के त्वरित निस्तारण तथा थाने में आने वाले फरियादियों के साथ संवेदनशील व्यवहार करने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से महिला हेल्प डेस्क को और अधिक सक्रिय व प्रभावी बनाने पर जोर दिया, जिससे कि महिलाओं से जुड़ी शिकायतों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जा सके। इसके साथ ही साइबर अपराधों की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए साइबर हेल्प डेस्क को सुदृढ़ करने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान पुलिस उपायुक्त ने अनुशासन, स्वच्छता और बेहतर पुलिसिंग को प्राथमिकता देने पर बल देते हुए कहा कि आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास बनाए रखना सबसे महत्वपूर्ण है। इस मौके पर बंथरा थाने में थाना प्रभारी राणा राजेश सिंह और बिजनौर थाने में प्रभारी निरीक्षक कपिल गौतम सहित कई अन्य उपनिरीक्षक व थाने का स्टाफ मौजूद रहा।

अज्ञात कारणों से गेहूं की खड़ी फसल खेत में लगी आग और देखते ही देखते करीब 20 बिघा जलकर खाक

अमन लेखनी समाचार

नसीराबाद रायबरेली /जनपद के नसीराबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बिरनांवा गांव के पूरे देवनाथ मजरे में शनिवार दोपहर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब अचानक खेतों में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और आसपास के खेतों में खड़ी गेहूं की तैयार फसल को अपनी चपेट में ले लिया।इस भीषण अग्निकांड में लगभग 20 बीघा गेहूं की फसल जलकर पूरी तरह राख हो गई, जिससे क्षेत्र के कई किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोपहर के समय अचानक खेतों के एक हिस्से से धुआं उठता दिखाई दिया। कुछ ही मिनटों में तेज हवाओं के कारण आग ने फैलना शुरू कर दिया और देखते ही देखते कई खेत इसकी चपेट में आ गए। उस समय खेतों में काम कर रहे किसान और आसपास के ग्रामीण आग की भयावहता को देखकर घबरा गए और तुरंत आग बुझाने के प्रयास में जुट गए। ग्रामीणों ने बाल्टियों, पाइप और अन्य संसाधनों के जरिए आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन तेज हवा और सूखी फसल के कारण आग लगातार फैलती रही। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल प्रशासन और दमकल विभाग को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। इस आगजनी की घटना में प्रमुख रूप से किसान रामविलास पांडे, युवराज समेत कई अन्य किसानों की तैयार गेहूं की फसल पूरी तरह जलकर नष्ट हो गई। किसानों ने बताया कि यह फसल उनकी सालभर की मेहनत का परिणाम थी, जिसे काटने का समय आ चुका था, लेकिन आग ने कुछ ही पलों में उनकी सारी मेहनत पर पानी फेर दिया। पीड़ित किसानों का कहना है कि उन्होंने अपनी फसल की तैयारी में बीज, खाद, सिंचाई और मजदूरी पर काफी खर्च किया था। ऐसे में अचानक हुई इस घटना ने उन्हें आर्थिक रूप से पूरी तरह झकझोर कर रख दिया है। किसानों के सामने अब आजीविका का संकट खड़ा हो गया है।

संक्षेप

अधेड़ ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला की समाप्त

बीघापुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के गांव ओसियां में रविवार सुबह एक 55 वर्षीय व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव निवासी कल्लू यादव पुत्र स्वर्गीय बजरंगी गांव में ही एक छोटी परचून की दुकान चलाते थे। बताया जाता है कि उन्होंने अपनी दुकान के पास ही एक पेड़ से लटककर फांसी लगा ली। सुबह जब ग्रामीणों की नजर पड़ी तो घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई।बताया जा रहा है कि मृतक की पत्नी करीब 10 वर्ष पूर्व उसे छोड़कर चली गई थी। उनकी एक बेटी गुड़िया है, जिसकी शादी कल्लू यादव पहले ही कर चुके थे। वह घर में अकेले रहते थे।घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है और लोग तरह-तरह की चचाएं कर रहे हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

डंपर ने बाइक सवार को मारी टक्कर, दो की मौत

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। डंपर और बाइक की आमने सामने हुई जोरदार भिडंत में बाइक सवार दो युवक गम्भीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने उन्हे एंबुलेंस की मदद से सीएचसी पहुंचाया जहाँ चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। थाना पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना क्षेत्र के गाँव फतेहपुर चौरासी ग्रामीण के मजरा सराय संजीत पुत्र पप्पू उम्र करीब 25 वर्ष अपने मित्र शैलेंद्र पुत्र विनोद उम्र करीब 22 वर्ष निवासी दर्शन खेड़ा मजरा बूलापुर हसनापुर के साथ बाइक से बांगरमऊ की तरफ जा रहे थे अभी वह हरदोई उन्नाव मार्ग पर उम्मर खेड़ा गांव के पास पहुंचे ही थे कि तभी सामने से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने एंबुलेंस से उन्हें सीएचसी पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मौत की सूचना मिलने पर परिजनों में हाहाकार मच गया वहीं थाना पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है तथा डंपर को कब्जे में ले लिया गया है। चालक फरार है जिसकी तलाश की जा रही है। अभी तहरीर नहीं मिली है तहरीर मिलने पर विधिक कार्यवाही की जाएगी।

विद्युत पोल से टकराई बाइक युवक घायल

उन्नाव। आसीवन थाना क्षेत्र के सिद्धनाथ गांव निवासी प्रेम चंद्र पुत्र कल्लू शनिवार सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के भैंसहरा गांव किसी काम से गया था जहां से देर रात वापस घर लौट रहा था तभी सफीपुर मियागंज मार्ग पर स्थित सिर्स चेरी गांव के पास तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सडक किनारे लगे विद्युत पोल से टकरा गयी जिससे प्रेम चंद गंभीर रूप से घायल हो गया ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने गभीर रुप से घायल युवक को मियागंज अस्पताल में भर्ती कराया जहां डाक्टर ने उसकी हालत नाजुक होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया जबकि परिजन लखनऊ स्थित एक निजी अस्पताल लेकर चले गए और वहां भर्ती कराया जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

50 किलो अवैध गांजा समेत दो तस्कर गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। कोतवाली सदर पुलिस, स्वाट और सर्विलांस टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए अंतर्जनपदीय गांजा तस्करी का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने संदिग्ध वाहन चेकिंग के दौरान करीब 50 किलो अवैध गांजा बरामद किया और दो शातिर तस्करों को गिरफ्तार किया है। बरामद गांजे की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 10 लाख रुपये बताई जा रही है।एसएसपी जयप्रकाश सिंह ने पुलिस लाइन मे खुलासा करते हुए बताया कि अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत शनिवार रात उपनिरीक्षक राम आनंद पटेल अपनी टीम के साथ क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रहे थे।इसी दौरान करोवन मोड़ के पास एक सफेद रंग की वैगनआर कार संदिग्ध हालत में आती दिखाई दी। पुलिस को देखते ही चालक ने वाहन को सरोसी जाने वाले मार्ग की ओर मोड़ने की कोशिश की, लेकिन आगे मैनी खेड़ा रेलवे क्रॉसिंग बंद होने के कारण गाड़ी को रुकना पड़ा। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए रेलवे क्रॉसिंग से करीब 20 मीटर पहले वाहन को घेरकर रोक लिया।गाड़ी में सवार दोनों युवकों से पूछताछ की गई तो उन्होंने अपना नाम जितेंद्र तिवारी उर्फ जीतू (24 वर्ष) और आदर्श कुमार तिवारी उर्फ राज (25 वर्ष) बताया। ये दोनों कौशाम्बी जनपद के ग्राम सेंगरहा, पोस्ट बैरमपुर, थाना पश्चिम शरीरा के निवासी हैं। प्रारंभिक पूछताछ में दोनों युवक घबरा गए और भागने की कोशिश करने लगे।सख्ती से पूछताछ करने पर उन्होंने वाहन में अवैध गांजा होने की बात कबूल कर ली। तलाशी के दौरान पुलिस को कार से कुल 50 किलो गांजा बरामद हुआ। अभियुक्तों ने बताया कि वे गांजा मध्य प्रदेश से खरीदकर दिल्ली में बेचने के लिए ले जा रहे थे।पुलिस ने बरामदगी और गिरफ्तारी के आधार पर थाना कोतवाली सदर में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अब इस तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुट गई है। अधिकारियों का कहना है कि इस गिरोह के अन्य सदस्यों और सप्लाई चेन को चिन्हित कर जल्द ही बड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस सफलता से जिले में मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने में महत्वपूर्ण मदद मिलेगी।

बकरी को लेकर दो पक्षों में जमकर हुई मारपीट 9 घायल

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के मुस्तफाबाद पखरौरा गांव में बकरी के पड़ोसी के घर में घुसने को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। इस घटना में चार महिलाओं सहित कुल नौ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सफीपुर लाया गया, जहां से चार गंभीर घायलों को जिला अस्पताल उन्नाव रेफर कर दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मुकील, निवासी मुस्तफाबाद (पखरौरा), ने बताया कि रविवार सुबह करीब दस बजे उसकी बकरी पुताना पत्नी रमेश के घर में चली गई थी। इसी बात को लेकर पुताना के परिवार के लोगों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। इस मारपीट में मुकील के साथ उसके भाई मोनू, सोनू और उनकी पत्नियां अर्चना, पिंकी व रूपा घायल हो गईं।

वहीं, दूसरे पक्ष से पुताना पत्नी रमेश ने आरोप लगाया कि उसकी बेटी नल पर पानी भरने गई थी, तब दूसरे पक्ष के रंजीत ने उस पर फब्तियां कसीं। जब उसकी बेटी ने मना किया, तो रंजीत और उसके परिवार के लोगों ने पुताना, उसके दो पुत्रों सुनील और संजय को लाठी-डंडों से पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया।एक पक्ष से छह और दूसरे पक्ष से तीन, कुल नौ घायलों को सीएचसी सफीपुर लाया गया। डॉक्टरों ने संजय, सुनील, मुकील और रूपा के सिर में गंभीर चोटें देखकर उन्हें जिला अस्पताल उन्नाव रेफर कर दिया। डॉक्टर बृजेश सिंह ने घायलों को रेफर किया।

इस संबंध में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक एस.एन. त्रिपाठी ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों से तहरीर मिलने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

न्याय पंचायत स्तरीय शिक्षा चौपाल का आयोजन

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। निपुण भारत मिशन के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय साढ़े मऊ में न्याय पंचायत स्तरीय शिक्षा चौपाल कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ एसएमसी अध्यक्षा द्वारा सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया।इस अवसर पर राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षिका डॉ. प्रज्ञा त्रिवेदी, रूबी वर्मा, एआरपी दुर्गेश शुक्ला सहित कई शिक्षकों एवं अतिथियों ने शिक्षा के महत्व पर अपने विचार रखे। साथ ही एसएससी सीजीएल व समीक्षा अधिकारी परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले दीपक यादव ने भी छात्रों को प्रेरित किया।कार्यक्रम में नवीन नामांकित बच्चों को पेन, रजिस्टर व पानी की बोतल वितरित की गई। इसके साथ ही अन्य बच्चों को भी शैक्षिक सामग्री व रिजल्ट कार्ड प्रदान किए गए।अंत में प्रधान शिक्षक सुरेंद्र कुमार सहित विद्यालय स्टाफ ने धन्यवाद ज्ञापित किया तथा उपस्थित लोगों को जलपान कराया गया।

लगभग चार करोड़ लगत से बने मार्गो का किया लोकार्पण

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जिला पंचायत अध्यक्ष शकुन सिंह के पुत्र एवं प्रतिनिधि शशांक शेखर सिंह ने सफीपुर तहसील क्षेत्र के अंतर्गत सफियापुर ककरौरा वंशखेड़ा और बारीथाना के दुक्कुखेड़ा से कुड़वाखेड़ा मतलबपुर कुड़ीना उगू फकीरे खेड़ा वर्करा क्वजीगांव आदि गांवों में लगभग चार करोड़ रुपए की लागत से निर्मित डामरीकरण सीसी रोड खड़ंजा रोड नाला आदि का लोकार्पण किया। इस मौके पर ग्रामीणों ने जिला पंचायत अध्यक्षा एवं पुत्र प्रतिनिधि सहित सदस्य दिलीप कुमार गुड्डू मिश्रा के प्रति आभार जताया। मालूम हो कि सफीपुर क्षेत्र के अंतर्गत जिलापंचायत द्वितीय क्षेत्र के सदस्य दिलीप कुमार गुड्डू मिश्रा द्वारा प्रस्तावित मार्गो सड़कों का निर्माण कार्य जिला पंचायत द्वारा कराया गया है। जिनका जिलापंचायत अध्यक्ष शकुन सिंह के पुत्र एवं प्रतिनिधि शशांक शेखर सिंह ने सदस्य दिलीप कुमार गुड्डू मिश्रा के साथ सफियापुर में निर्मित खड़ंजा मार्ग का लोकार्पण किया वही ककरौरा गांव में प्रस्तावित और स्वीकृत विद्यालय तक सीसी रोड का भूमि पूजन करके कार्य का प्रारंभ किया। इस मौके पर पूर्व ग्राम प्रधान मधु यादव बादल प्रधान रणजीत यादव चंद्रपाल यादव आदि ग्रामीणों ने जिलापंचायत अध्यक्ष शकुन सिंह सहित सदस्य दिलीप कुमार गुड्डू मिश्रा के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया।

इसी क्रम में मतलबपुर सुक्खा खेड़ा नगर से कुड़ीना तक डामरीकरण बारी थाना दुक्कुखेड़ा से कुड़वाखेड़ा तक डामरीकरण का लोकार्पण किया। जहां बबलू सिंह चंदेल राजेश सिंह पुतान सिंह अरविंद द्विवेदी जटाशंकर दीक्षित आदि ग्रामीणों ने आभार जताया। ग्रामीणों का कहना था कि इन मार्गों पर दो पैर रखकर चलना भी मुश्किल था जिला पंचायत द्वारा सड़को मार्गो का निर्माण कराने से ग्रामीण गदगद दिखे इस अवसर पर शिवेन्द्र सिंह गोलू जिला पंचायत सदस्य अशोक सिंह चंदेल अवधेश दीक्षित मनीष सिंह सुनील सिंह सेंगर रिंकू शुक्ला ग्राम प्रधान रणजीत यादव आदि लोग मौजूद रहे

पैदल जा रहे युवक को पिकअप लोडर ने मारी टक्कर हुई मौत

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में पैदल जा रहे युवक की मौत हो गई। यह हादसा कटिघरा गांव के पास बालाजी गेस्ट हाउस के सामने हुआ, जहां तेज रफ्तार पिकअप (लोडर) वाहन ने राहगीर को जोरदार टक्कर मार दी।मृतक की पहचान मंगली खेड़ा गांव निवासी 45 वर्षीय ललित कुमार पुत्र स्वर्गीय देवी प्रसाद के रूप में हुई है। ललित कुमार खेती-किसानी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके परिवार में एक बेटा सौरभ कुमार और एक बेटी सौम्या है।परिजनों के अनुसार, ललित कुमार शनिवार को अपने छोटे भाई अरुण कुमार भारती के तिलक समारोह में शामिल होने गए थे। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद देर रात वह पैदल अपने

घर लौट रहे थे। इसी दौरान कटिघरा गांव के पास तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

गेहूं की फसल में लगी आग डेढ़ बीघा जलकर राख

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। थाना बिहार क्षेत्र के पनई बुजुर्ग में अज्ञात कारणों से लगी आग से डेढ़ बीघे पकी गेंहू की फसल जलकर राख हो गयी। ग्रामीणों की कड़ी मशक्कत व फायर ब्रिग्रेड के आ जाने से आग पर काबू पाया जा सका।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार दोपहर अज्ञात कारणों से गाँव के ही निवासी किशोरी पुत्र गोवर्धन की गेंहू की पकी फसल में आग लग गयी। आग की लपटों को देख आस पास के किसान शोर शराबा कर मदद की गुहार करने लगे। सूचना पाकर ग्राम प्रधान पिंटू सिंह ग्रामवासियों के साथ आग बुझाने पहुँच गए। फायर ब्रिग्रेड को सूचना दिए जाने पर कुछ ही देर में वह भी मौके पर आ पहुँची लेकिन तब तक ग्रामीणों ने काफी हद तक आग पर काबू पा लिया था। आग की लपटों से पास के किसानो में सतीश, राकेश, रामबाबू, श्री बाबू, कृष्ण कुमार सहित आधा दर्जनों किसानों के खेत मे भी आग पहुँच गयी लेकिन गनीमत रही इन किसानों के खेतों में फसल नही थी। सूचना पर पहुँचे उपजिलाधिकारी रनवीर सिंह के साथ क्षेत्रीय लेखपाल आयुष पटेल ने मौका मुआयना कर नुकसान का आकलन कर रिपोर्ट शासन को भेजा है।

पति-पत्नी के 29 विवादित जोड़ो की सकुशल की गयी विदाई

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जयप्रकाश सिंह वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत सभी थानों में स्थित महिला हेल्प डेस्क में पति-पत्नी के विवादित जोड़ों को बुलाया गया, परिवार परामर्शदाताओं एवं महिला हेल्पडेस्क की टीम द्वारा उनकी काउंसलिंग करते हुए उनके बीच उपजे विवाद को खत्म कराया गया तथा परिवार को टूटने से बचाया। तदोपरान्त महिला थाना से 20, थाना बीघापुर से 03, थाना पुरवा, थाना हसनगंज, थाना अजगैन से 02-02 जोड़े को बिना विवाद साथ रहने के वादे के साथ विदा किया गया। उपरोक्त पुनीत कार्य में डा0 आशीष श्रीवास्तव प्रभारी परिवार परामर्श समिति पुलिस टीम से रेखा सिंह प्रभारी महिला थाना, रंजना कुमारी, सुहावना नीतू सीमा देवी, लक्ष्मी देवी, प्रियंका मिश्रा, राखी प्राची शाह का विशेष योगदान रहा।

नम आंखों से किया गया दिवंगत इंस्पेक्टर का अंतिम संस्कार

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। थाना बारासगवर क्षेत्र के हिस्यामपुर निवासी पुलिस विभाग में तैनात राजेश सिंह का अंतिम संस्कार डौडियाखेड़ा में गंगा तट किनारे गमगीन माहौल में किया गया। विगत हो राजेश सिंह वर्तमान में शाहजहांपुर जनपद में क्राइम इंस्पेक्टर पद पर तैनात थे। इंस्पेक्टर राजेश सिंह का शव उनके आवास के बाथरूम में मिला था। शनिवार सुबह हृदय गति रुक जाने से उनकी मौत हो गई थी। शनिवार देर रात उनका शव जैसे ही गाँव पहुँचा परिजन फफक फफक कर रो पड़े। रविवार को उनका अंतिम संस्कार शाहजहांपुर से आई पुलिस टीम व बारासगवर पुलिस द्वारा गॉड ऑफ ऑनर के साथ किया गया। क्षेत्राधिकारी मधुप नाथ मिश्रा व बारासगवर प्रभारी धर्मेंद्र नाथ मिश्रा भी अंतिम संस्कार में शामिल रहे। दिवंगत का एक मात्र पुत्र वैभव अपने पिता के शव का अंतिम संस्कार देख स्तब्ध हो गया। दिवंगत के भाई अखिलेश व पुलिस विभाग में ही तैनात छोटे भाई सुशील के हाथ चिताग्नि देते समय कपकपा रहे थे। अंतिम संस्कार में गाँव वासी सहित सैकड़ों क्षेत्रीय लोग शामिल रहे।

डंपर ने बाइक सवार को मारी टक्कर दो युवक घायल

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। डंपर और बाइक की आमने सामने हुई जोरदार भिडंत में बाइक सवार दो युवक गम्भीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने उन्हे एंबुलेंस की मदद से सीएचसी पहुंचाया जहाँ चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। थाना पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना क्षेत्र के गाँव फतेहपुर चौरासी ग्रामीण के मजरा सराय संजीत पुत्र पप्पू उम्र करीब 25 वर्ष अपने मित्र शैलेंद्र पुत्र विनोद उम्र करीब 22 वर्ष निवासी दर्शन खेड़ा मजरा बूलापुर हसनापुर के साथ बाइक से बांगरमऊ की तरफ जा रहे थे अभी वह हरदोई उन्नाव मार्ग पर उम्मर खेड़ा गांव के पास पहुंचे ही थे कि तभी सामने से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने एंबुलेंस से उन्हें सीएचसी पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मौत की सूचना मिलने पर परिजनों में हाहाकार मच गया वहीं थाना पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है तथा डंपर को कब्जे में ले लिया गया है। चालक फरार है जिसकी तलाश की जा रही है। अभी तहरीर नहीं मिली है तहरीर मिलने पर विधिक कार्यवाही की जाएगी।

ट्रैक्टर ट्राली की चपेट से किसान की मौत

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र अंतर्गत अटवां बैक गांव में रविवार दोपहर एक किसान की ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आने से मौत हो गई। यह हादसा गेहूं भरने के दौरान हुआ।जानकारी के अनुसार, रामेश्वर नामक व्यक्ति अपने खेत में गेहूं कटाई के बाद ट्रैक्टर-ट्रॉली में गेहूं भर रहा था। दोपहर करीब 12 बजे गेहूं भरने के बाद जब वह ट्रैक्टर-ट्रॉली को पीछे कर रहा था, तभी खेत के बगल में काम कर रहे किसान विजय शंकर उसकी चपेट में आ गए।विजय शंकर गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन उन्हें तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले गए, जहां मौजूद चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।मृतक विजय शंकर (45) अटवां बैक गांव के निवासी थे। वह अविवाहित थे और अपने भतीजे के साथ रहकर खेती-किसानी करते थे।घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना के बाद से मृतक के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

अवैध कब्जा करने वाले पर ईओ ने दर्ज कराया मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

पुरवा, उन्नाव। नोटिस के बावजूद सरकारी जमीन से कब्जा ना हटाने के बाद तहसील प्रशासन ने कब्जे वाली जमीन से अवैध निर्माण को जमी दोज कर दिया वहीं अधिशासी अधिकारी संदीप कुमार ने अवैध कब्जेदार के खिलाफ कोतवाली में मुकदमा पंजीकृत कराया। नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी संदीप कुमार के अनुसार सरकारी अभिलेखों में बतौर ऊसर दर्ज भूमि सं 167 रकबा 0.063, 0.152 व 0.0063 हेक्टेयर स्थानीय कस्बा भवानी क्षेत्र में स्थित है।जिसमें कस्बे के मोहल्ला राजा बाजार के बब्लू पुत्र बाबूलाल ने अवैध तरीके से जमीन कब्जाने को जबरन पिलर व दीवाल बना ली।जिसे अवैध पाये जाने पर राजस्व विभाग ने रुकवा दिया था।जिसे नोटिस जारी कर तीन दिनों के अंदर स्वतः निर्माण कार्य हटवाने को आदेशित किया गया था।वहीं नोटिस अवधि में अवैध निर्माण न हटवाये जाने पर बीते 9 अप्रैल को उपजिलाधिकारी के निर्देश पर पक्का बाउण्ड्रीवाल व पिलर हटवाया गया था। ईओ की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध संगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

सम्पादकीय

महिला आरक्षण : कठिन है डगर मंजिल की

देश की राजनीति में लंबे समय से अटका महिला आरक्षण का मुद्दा एक बार फिर निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। केंद्र सरकार द्वारा 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को मंजूरी देने के साथ ही यह उम्मीद जगी है कि भारतीय लोकतंत्र अब आधी आबादी को उसका वाजिब हक देने की दिशा में ठोस कदम बढ़ा रहा है। प्रस्तावित व्यवस्था के तहत लोकसभा की सीटों को 543 से बढ़ाकर 816 करना और उनमें 33 प्रतिशत यानी 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करना निश्चित रूप से ऐतिहासिक पहल कही जा सकती है, लेकिन इसके साथ ही इसके क्रियान्वयन की जमीनी हकीकत उतनी ही जटिल और चुनौतीपूर्ण नजर आती है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि यह आरक्षण व्यवहार में कैसे लागू होगा। अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि किन सीटों को महिलाओं के लिए आरक्षित किया जाएगा और यह प्रक्रिया किन मानकों के आधार पर तय होगी। 'वर्टिकल' आरक्षण का मतलब है कि अनुसूचित जाति और जनजाति के कोटे के भीतर भी महिलाओं को हिस्सा मिलेगा, जो सामाजिक न्याय के लिहाज से उचित है, लेकिन सीटों के चयन की प्रक्रिया राजनीतिक विवाद का सबसे बड़ा कारण बन सकती है। हर राजनीतिक दल अपने मजबूत गढ़ को बचाने की कोशिश करेगा और यहीं से टकराव की शुरुआत होगी। दूसरा महत्वपूर्ण पहलू राज्यों के प्रतिनिधित्व से जुड़ा है। लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने और परिसीमन (डिलिमिटेशन) के बाद जनसंख्या के आधार पर सीटों का पुनर्वितरण होगा। इससे छोटे और कम आबादी वाले राज्यों को यह आशंका सताने लगी है कि उनका राजनीतिक वजन घट सकता है। वहीं, बड़े राज्यों में भी आंतरिक असंतोष उभर सकता है, क्योंकि कई मौजूदा सांसदों की सीटें आरक्षित हो जाएंगी। ऐसे में राजनीतिक समीकरणों का संतुलन बिगड़ना तय है। हालांकि, दिलचस्प यह है कि कोई भी राजनीतिक दल खुले तौर पर इस बिल का विरोध करने की स्थिति में नहीं है। महिला सशक्तिकरण के मुद्दे पर विरोध करना राजनीतिक आत्मघात जैसा होगा, लेकिन भारतीय राजनीति के अनुभव बताते हैं कि सहमति के पीछे भी असहमति के रास्ते खोज लिए जाते हैं। यह आशंका निराधार नहीं है कि सीटों के बंटवारे, परिसीमन और लागू करने की समयसीमा जैसे मुद्दों पर राजनीतिक दल अप्रत्यक्ष रूप से अड़ंगे डाल सकते हैं। एक और महत्वपूर्ण चिंता 'प्रॉक्सी राजनीति' की है। पंचायती राज संस्थाओं में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण का अनुभव मिश्रित रहा है। कई जगहों पर निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों की जगह उनके पति या परिवार के पुरुष सदस्य ही सत्ता का संचालन करते दिखाई दिए। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या संसद और विधानसभाओं में भी 'सांसद पति' या 'विधायक पति' जैसी प्रवृत्ति देखने को मिलेगी? देखा जाए तो पिछले कुछ वर्षों में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी और जागरूकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इससे एक नई पीढ़ी तैयार हो रही है। यह पीढ़ी वास्तविक नेतृत्व की क्षमता रखती है। यदि सही प्रशिक्षण, अवसर और सामाजिक समर्थन मिला, तो यह बदलाव भारतीय राजनीति का चेहरा बदल सकता है। आखिरकार मंजिल भले ही सामने दिख रही हो, लेकिन वहां तक पहुंचने का रास्ता आसान नहीं है। यह यात्रा धैर्य, संवाद और दूरदृष्टि की मांग करती है। यदि इन चुनौतियों को सही तरीके से पार किया गया, तो यह कानून भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी को एक नई ऊंचाई पर ले जा सकता है। वरना यह एक अधूरा सपना बनकर रह जाएगा।

स्थापना दिवस

ओ.पी. चौधरी

भाजपा की राष्ट्रवादी विचारधारा का उत्सव

6 अप्रैल, भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस, केवल एक पार्टी का स्थापना दिवस नहीं, बल्कि उस राष्ट्रवादी विचारधारा का उत्सव है जिसने राष्ट्र प्रथम को राजनीति का केंद्र बनाया। यह यात्रा 1951 में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी द्वारा स्थापित भारतीय जनसंघ से शुरू होकर आज विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक राजनीतिक शक्ति भारतीय जनता पार्टी तक पहुंचती है। नरेंद्र मोदी के "राष्ट्र प्रथम" के अटूट संकल्प ने भारतीय राजनीति को एक नई दिशा दी है। जहां पहले 'एंटी-इन्कम्बेंसी' एक सामान्य प्रवृति मानी जाती थी, वहीं आज 'प्रो-इन्कम्बेंसी' की नई परिभाषा स्थापित हुई है, जहां जनता विकास, सुशासन और विश्वसनीय नेतृत्व के आधार पर बार-बार अपना विश्वास दोहराती है।

भारत की राजनीतिक यात्रा में कुछ ऐसे पड़ाव आते हैं, जो केवल सत्ता परिवर्तन नहीं बल्कि विचार और दिशा परिवर्तन के प्रतीक होते हैं। 6 अप्रैल, भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस, केवल एक पार्टी का स्थापना दिवस नहीं, बल्कि उस राष्ट्रवादी विचारधारा का उत्सव है जिसने राष्ट्र प्रथम को राजनीति का केंद्र बनाया। यह यात्रा 1951 में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी द्वारा स्थापित भारतीय जनसंघ से शुरू होकर आज विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक राजनीतिक शक्ति भारतीय जनता पार्टी तक पहुंचती है। स्वतंत्रता के तुरंत बाद का भारत घावों से भरा था- विभाजन की पीड़ा, विस्थापितों का दर्द और राजनीतिक अनिश्चितता का अंधेरा। उस समय की सत्ताधारी कांग्रेस ने राष्ट्र प्रथम के स्थान पर तुष्टिकरण और एक परिवार की सत्ता को प्राथमिकता दी।

सरदार वल्लभभाई पटेल जैसे लौहपुरुष जिन्हें पूर्ण बहुमत प्राप्त था, की उपेक्षा इस अलोकतांत्रिक मानसिकता का सबसे बड़ा प्रमाण था। जब राष्ट्रवादी विचारों के लिए कांग्रेस में कोई स्थान नहीं बचा, तब डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने भारतीय जनसंघ के रूप में एक ऐसा मंच खड़ा किया जो जाति, पंथ और क्षेत्र से ऊपर उठकर केवल भारत माता की सेवा का व्रत लेता था। जम्मू-कश्मीर के पूर्ण एकीकरण के लिए उन्होंने 23 जून 1953 को अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। वह बलिदान व्यर्थ नहीं गया, 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 की समाप्ति के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उस अधूरे सपने को पूरा किया और एक संस्थापक की आत्मा को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की। श्यामा प्रसाद के बलिदान के बाद पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने 1951 से 1967 तक महासचिव के रूप में पार्टी को वैचारिक और संगठनात्मक मजबूती दी। उनका 'एकात्म मानववाद' और 'अंत्योदय' का दर्शन-अर्थात समाज के अंतिम व्यक्ति को प्रथम पंक्ति में लाना - जनसंघ की आत्मा बन गया। 1967 के कालीकट अधिवेशन में अध्यक्ष बनने के बाद उन्होंने कहा था कि हम किसी एक वर्ग या समुदाय के नहीं, बल्कि संपूर्ण राष्ट्र के सेवक हैं - हर देशवासी हमारे रक्त का अंश है। 11 फरवरी 1968 को मुगलसराय में उनकी निर्मम हत्या ने देश को एक अनमोल विचारक से वंचित कर दिया। 1970 के दशक में इंदिरा गांधी की सत्ता जैसे-जैसे केंद्रीकृत और निरंकुश होती गई, जनसंघ ने जन-आंदोलन का नेतृत्व संभाला। 25 जून 1975 की वह काली रात जब देश पर आपातकाल थोपा गया - वह तानाशाही की चरम परिणति थी। जनसंघ के सभी शीर्ष नेता गिरफ्तार कर लिए गए। हजारों कार्यकर्ताओं को अमानवीय यातनाओं के बीच जेल की सलाखों के पीछे ठूंस दिया गया। जब सच बोलना अपराध बन गया था, तब जनसंघ और संघ के स्वयंसेवक भूमिगत रहकर देश का सबसे बड़ा सत्याग्रह चला रहे थे। यही वह कसौटी थी जिसने सिद्ध किया कि यह दल सत्ता के लिए नहीं, बल्कि सत्य और राष्ट्र के लिए जीता है।

दो वर्षों के उस अंधकार के बाद, जयप्रकाश नारायण के आह्वान पर जनसंघ ने अपने अस्तित्व को देश-हित में जनता पार्टी में विलीन कर दिया। 1977 में देश को पहली गैर-कांग्रेसी सरकार मिली। अटल बिहारी वाजपेयी विदेश मंत्री बने और संयुक्त राष्ट्र के उस मंच पर हिंदी में

भाषण देकर उन्होंने पूरे विश्व को चौंका दिया, यह भी राष्ट्रगौरव का एक पाठ था। उस दौर में, जब कांग्रेस हिंदू आस्था और परंपराओं का उपहास करती थी, तब पालमपुर अधिवेशन में भारतीय जनता पार्टी ने राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण को अपने संकल्प के रूप में स्वीकार किया। यह किसी चुनावी रणनीति का हिस्सा नहीं, बल्कि करोड़ों हिंदुओं की गहरी आस्था और श्रद्धा का सम्मान था। इसी बीच, शाहबानो प्रकरण में कांग्रेस द्वारा रातों-रात कानून बदलना तुष्टिकरण की राजनीति का स्पष्ट उदाहरण बना, जबकि भाजपा निरंतर सनातन चेतना के पुनर्जागरण और सांस्कृतिक स्वाभिमान की सशक्त आवाज़ बनकर उभरती रही। 1996 में अटल जी देश के प्रधानमंत्री बने। भले ही वह सरकार 13 दिन में गिर गई, लेकिन 1998 में एनडीए की पूर्ण सरकार बनी और देश ने एक नई राजनीति देखी। तमाम अंतरराष्ट्रीय दबावों की परवाह किए बिना पोखरण परमाणु परीक्षण हुआ। दीनदयाल के अंत्योदय को धरातल पर उतारा गया। उस दौर में जब नौ वर्षों में आठ प्रधानमंत्री बदल चुके थे, अटल जी ने स्थिर सुशासन की राजनीति की नींव रखी। 2004 से 2014 तक देश ने देखा कि जब राष्ट्र के बजाय परिवार को प्राथमिकता दी जाती है तो क्या होता है। 2जी, कोलगेट, कॉमनवेल्थ खेल घोटाला - भ्रष्टाचार की यह फेहरिस्त लंबी थी। रिमोट कंट्रोल से चलती सरकार ने देश को ₹फ्रैजाइल फाइव₹ अर्थव्यवस्थाओं में ला खड़ा किया। 26/11 के बाद भी ₹भगवा आतंकवाद₹ का झूठा नैरेटिव गढ़ा गया। प्रभु श्रीराम के अस्तित्व को ही न्यायालय में काल्पनिक बताया गया। यह वह दौर था जब देश को गहरे आत्मविश्वास और दिशा की ज़रूरत थी।उसी दौर में गुजरात में एक चायवाले ने सिद्ध कर दिखाया, कि विकास की राजनीति उस प्रदेश को कहा तक लेजा सकती है । भूकंप-पीड़ित भुज का पुनर्निर्माण हो, 24×7 बिजली आपूर्ति हो या टाटा नैनो को 15 दिन में ज़मीन देना - ₹गुजरात मॉडल₹ की गूँज पूरे देश में थी। 2014 में जनता ने 31.5% वोट शेयर और 282 सीटें देकर ₹विकास की राजनीति₹ को ऐतिहासिक जनादेश दिया। भ्रष्टाचार-मुक्त शासन, अंत्योदय और राष्ट्रगौरव - यही वह त्रिभुज था जिसने नरेंद्र मोदी को देश की पहली पसंद बनाया।आज भारत ₹फ्रैजाइल फाइव₹ से उठकर विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और तीसरे स्थान की ओर तेज़ी से अग्रसर है। हाल ही में हमने स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर हमारा संकल्प और भी दृढ़ होता है कि भारतीय जनता पार्टी केवल चुनावी जीत तक सीमित नहीं है, बल्कि राष्ट्र निर्माण के महान उद्देश्य के लिए समर्पित है। यह यात्रा निरंतर आगे बढ़ती रहेगी-एक सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में। आज भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन भी स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। जो वादे पहले चुनावी घोषणापत्र तक सीमित रह जाते थे, उन्हें नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में धरातल पर उतारा गया। "मोदी की गारंटी" केवल एक नारा नहीं, बल्कि विश्वास का प्रतीक बन चुकी है। चाहे वह अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का संकल्प हो या अनुच्छेद 370 को हटाने जैसा ऐतिहासिक निर्णय, भाजपा ने अपने हर वादे को पूर्ण करने की प्रतिबद्धता दिखाई है। नरेंद्र मोदी के "राष्ट्र प्रथम" के अटूट संकल्प ने भारतीय राजनीति को एक नई दिशा दी है। जहां पहले 'एंटी-इन्कम्बेंसी' एक सामान्य प्रवृत्ति मानी जाती थी, वहीं आज 'प्रो-इन्कम्बेंसी' की नई परिभाषा स्थापित हुई है, जहां जनता विकास, सुशासन और विश्वसनीय नेतृत्व के आधार पर बार-बार अपना विश्वास दोहराती है। इसी विश्वास, इसी संकल्प और इसी राष्ट्रनिष्ठा के साथ भारतीय जनता पार्टी आगे भी राष्ट्र निर्माण के इस पथ पर निरंतर अग्रसर रहेगी।

सीजफायर

डॉ. घनश्याम बादल

जारी कोहराम, यह कैसा युद्ध विराम

जैसी आशंका थी खाड़ी युद्ध में सीजफायर की घोषणा की, चंद घंटे बाद ही उसकी हवा निकल गई और इजराइल ने लेबनान पर युद्ध विराम की बात मानने से साफ इनकार करते करते हुए वहां भीषण हमले शुरू कर दिए हैं। उधर ईरान ने भी होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने पर अंगूठा दिखा दिया है तो ट्रंप एक बार फिर धमकाने पर उतर आए हैं। ऐसे में 10 अप्रैल को होने वाली बैठक पर भी संकट के बदले मंडराते दिख रहे हैं। 40 दिन के भीषण युद्ध, बारूद की बारिश, ईरान की सर्वोच्च लीडरशिप का खात्मा और बाद के दो दिनों में उसके इंफ्रास्ट्रक्चर की तबाही के बाद भी अमेरिका को कुछ हासिल नहीं हुआ और उसके बड़बोले राष्ट्रपति ट्रंप को ईरान की दृढ़ता, अपनी राष्ट्रीय अस्मिता के प्रति समर्पण और उसकी तेल शक्ति तथा हथियारों की छिपी हुई ताकत के बल पर घुटनों के बल आना पड़ा और जैसे-तैसे चीन की मदद से इस युद्ध में सीज फायर करना पड़ा। मध्य-पूर्व की बारूदी ज़मीन पर अमेरिका और ईरान के बीच घोषित दो हफ्तों का "सीजफायर" पहली नजर में शांति का संकेत लगा था लेकिन गहराई में जाएं तो यह अधिक एक रणनीतिक विराम प्रतीत होता है। ऐसा विराम जिसमें दोनों पक्ष अपनी थकी हुई सैन्य और कूटनीतिक ताकतों को पुनर्गठित कर रहे हैं। यह ठहराव उस संघर्ष की जड़ों को नहीं मिटाता, जो दशकों से अविश्वास, वैचारिक टकराव और क्षेत्रीय प्रभुत्व की होड़ में उलझा हुआ है। इस टकराव के मूल कारणों में 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद से अमेरिका और ईरान के बीच चली आ रही वैचारिक शत्रुता प्रमुख है। ईरान का परमाणु कार्यक्रम, पश्चिम एशिया में उसका बढ़ता प्रभाव और इजराइल के प्रति उसका कड़ा रुख, ये सभी कारक अमेरिका की आक्रामक नीति के आधार रहे हैं। वहीं, अमेरिका द्वारा लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों ने ईरान को आर्थिक रूप से तो कमजोर किया ही, साथ ही उसे क्षेत्रीय स्तर पर अधिक आक्रामक और आत्मनिर्भर बनने के लिए भी प्रेरित किया। शांति प्रस्तावों की बात करें तो अमेरिका ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर नियंत्रण, क्षेत्रीय मिलिशिया समूहों पर लगाम और इजराइल की सुरक्षा की गारंटी को प्रमुख शर्तों के रूप में रखा है। इसके बदले में आर्थिक प्रतिबंधों में ढील का प्रस्ताव दिया गया है। दूसरी ओर, ईरान ने अपने संप्रभु अधिकारों की रक्षा करते हुए सभी प्रतिबंधों को हटाने, क्षेत्रीय मामलों में अमेरिकी हस्तक्षेप बंद करने और सुरक्षा आश्वासन की मांग की है। इन परस्पर विरोधी मांगों के बीच भरोसे की कमी ही सबसे बड़ी बाधा बनी हुई है। इस पूरे परिदृश्य में चीन की भूमिका खास तौर पर उभरकर सामने आई है। चीन ने खुद को एक संतुलित और जिम्मेदार मध्यस्थ के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश की है। ऊर्जा जरूरतों के चलते ईरान के साथ उसके मजबूत संबंध हैं, वहीं अमेरिका के साथ प्रत्यक्ष टकराव से बचते हुए वह कूटनीतिक लाभ उठा रहा है। यह संकट चीन के लिए वैश्विक नेतृत्व की छवि गढ़ने का अवसर बन गया है। पाकिस्तान भी इस घटनाक्रम में अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने की कोशिश करता दिखा। उसने एक ओर अमेरिका के साथ पुराने रिश्तों को फिर से सक्रिय करने का प्रयास किया, तो दूसरी ओर इस्लामिक देशों के मंच पर ईरान के प्रति सहानुभूति जताकर संतुलन साधने की कोशिश की। यह दोहरी रणनीति क्षेत्रीय समीकरणों को और जटिल बनाती है। भारत के लिए यह स्थिति एक कठिन कूटनीतिक परीक्षा है। एक ओर अमेरिका के साथ उसके गहरे संबंध हैं, वहीं दूसरी ओर ईरान भारत की ऊर्जा सुरक्षा और चाबहार परियोजना के लिहाज से महत्वपूर्ण साझेदार है, लेकिन इस पूरे संकट में भारत की भूमिका लगभग निष्क्रिय नजर आई,जहां उसने केवल सामान्य बयान जारी कर शांति और संवाद की अपील की है, लेकिन किसी ठोस मध्यस्थता या पहल की कोशिश नहीं की। यह निष्क्रियता भारत की अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक छवि पर सवाल खड़े करती है। यदि भारत अपनी कूटनीतिक निष्क्रियता से बाहर निकलकर सक्रिय भूमिका नहीं निभाएगा, तो वह वैश्विक शक्ति संतुलन में महत्वपूर्ण अवसर खो देगा। जिस भारत को "वैश्विक दक्षिण" का नेता और उभरती हुई महाशक्ति के रूप में प्रस्तुत किया जाता है

एक सप्ताह अपने लिए निकाले

संकलित

दर्शन

श्वास और मन पर ध्यान देने से हमारा प्रतिरक्षा प्रणाली (इम्यून सिस्टम) मजबूत होता है। यदि आप शिशुओं को देखें, तो पाएंगे कि वे अत्यंत संतुलित तरीके से श्वास लेते हैं। वे पूरे शरीर से श्वास लेते हैं-जब वे श्वास अंदर लेते हैं, तो पेट बाहर आता है, और जब श्वास छोड़ते हैं, तो पेट भीतर चला जाता है। पर जैसे-जैसे हम तनावग्रस्त होते हैं, यह प्रक्रिया उल्टी हो जाती है। ऐसी बातें कोई सिखाता नहीं, बस सजगता चाहिए। पर हमारा मन इतना व्यस्त, विचारों, निर्णयों और प्रतिक्रियाओं से भरा होता है कि हम प्रकृति की इन सूक्ष्म बातों को देख ही नहीं पाते। इसलिए साल में एक बार, एक सप्ताह अपने लिए निकालें, जैसे आप कार की सर्विसिंग कराते हैं। उस समय प्रकृति के साथ सामंजस्य में रहें, सूर्योदय के साथ उठें, हल्का और आवश्यक मात्रा में भोजन करें, व्यायाम करें, योग, प्राणायाम, कुछ समय मौन रखें और प्रकृति का आनंद लें। जब हम प्रकृति से जुड़ते हैं, तो हमारी पूरी प्रणाली पुनर्जीवित हो जाती है। हम ऊर्जावान, उत्साही और प्रफुल्लित अनुभव करते हैं। सबसे महत्त्वपूर्ण है- जीवन में अधिक प्रसन्न रहना। चीजों को बहुत गंभीरता से न लें। थोड़ा सा आत्मज्ञान, अपने मन, चेतना और भ्रमों के मूल को समझना हमें जीवन को सुंदर बनाने में मदद करता है। हर व्यक्ति में सभी सद्गुण पहले से विद्यमान हैं, बस अज्ञानता की परतों से ढके हैं। हमें केवल उन्हें हटाना है और भीतर छिपे उन गुणों को प्रकट होने देना है।

ईर्ष्यालु किसी को सुखी-संपन्न नहीं देख सकता

संकलित

प्रेरणा

एक महिला कुबड़ी थी जिसकी वजह से वह झुककर चलती थी। सभी लोग उसका उपहास उड़ाते थे। बच्चे तो जब-तब उसे 'कुबड़ी-कुबड़ी' कहकर परेशान करते रहते थे। एक दिन वह कहीं जा रही थी कि सहसा रास्ते में उसकी भेंट नारद जी से हो गई। नारद ने उस महिला पर तरस खाते हुए कहा, 'आओ बहन! मेरे पास आओ। मैं अपने योगबल से तुम्हारा कूबड़ ठीक कर दूंगा।' महिला बोली, 'भगवान! आप अंतर्यामी हैं। आप तो जानते ही है कि लोग मेरा कितना मजाक उड़ाते हैं। मुझे सदैव यह कहकर चिढ़ाते रहते हैं कि, देखो वह कुबड़ी जा रही है। यदि आप मुझ पर मेहरबानी कर ही रहे हैं तो मेरे कूबड़ की फिक्र मत कीजिए। आप बस इतना कर दीजिए कि जो लोग मेरा मजाक उड़ाते हैं, उन सबके भी कूबड़ निकल आए।' नारद जी ने उस महिला का उत्तर सुना तो हक्के-बक्के रह गए। आश्चर्यचकित होकर बोले, 'बहन, दूसरों के कूबड़ निकल आने से तुम्हें क्या मिलेगा।' बुढ़िया बोली, 'मैं उन्हें भी अपनी तरह चलते और दूसरों द्वारा उपहास होते देखूंगी तो मन को शांति मिलेगी।' नारद जी सोचने लगे यह महिला चाहती तो मेरी कृपा से अपना कूबड़ ठीक करा सकती थी। लेकिन उसने हाथ आए अवसर को दूसरों के नुकसान के रूप में ही भुनाने की कामना की। ईर्ष्यालु व्यक्ति की प्रकृति यही होती है कि वह दूसरों को सुखी-संपन्न देखकर उनके जैसा उन्नत, संपन्न और सुखी होने की प्रेरणा ग्रहण नहीं करता, बल्कि सुखी लोगों को दुखी करने और नीचे गिराने का प्रयास करता है।

अंतर्मन

आज की पाती

देश के कई जिलों को पीएनजी से जोड़ा जाए

भारत सरकार के सबसे बड़े उपक्रम, गेल इंडिया लिमिटेड द्वारा एक अनुमान के तहत देश में 16,000 किलोमीटर से अधिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क का संचलन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, गेल द्वारा 2,000 किलोमीटर से अधिक एलपीजी गैस पाइपलाइन का भी संचालन किया जाता है। गेल इंडिया लिमिटेड के माध्यम से देश के 22 राज्यों के लगभग 90 से अधिक जिलों में गैस पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है, जिसके जरिए सीएनजी, एलपीजी तथा कुछ जिलों में पीएनजी गैस की आपूर्ति भी की जा रही है। यदि भारत सरकार उन राज्यों के जिलों में, जहां से गैस पाइपलाइन गुजरती है, राज्य सरकारों के साथ समन्वय स्थापित कर जिला एवं तहसील मुख्यालयों को पाइपयुक्त प्राकृतिक गैस (पीएनजी) से जोड़ने की दिशा में ठोस पहल करे तो आमजन को राहत मिलेगी।

- दिलीप ताम्रकार, दुर्ग

करंट अफेयर

ईरान युद्ध से वैश्विक खाद्य कीमतों में वृद्धि का खतरा

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ), विश्व बैंक और विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) ने कहा है कि पश्चिम एशिया में युद्ध ने वैश्विक ऊर्जा बाजारों में जो सबसे बड़ा व्यवधान पैदा किया है, उससे खाद्य कीमतों और खाद्य सुरक्षा पर गंभीर असर पड़ेगा। तीनों संस्थाओं के प्रमुखों ने एक संयुक्त बयान में कहा कि बढ़ती खाद्य कीमतों का सबसे अधिक भार दुनिया की कमजोर आबादी पर पड़ेगा। उन्होंने कहा, तेल, गैस और उर्वरक की कीमतों में तेज़ वृद्धि, साथ ही परिवहन बाधाओं के कारण, खाद्य कीमतों और खाद्य असुरक्षा में वृद्धि अवश्य होगी।

ऑफ बीट

भेड़ों से अधिक बुद्धिमान साबित हुई हैं बकरियां

जब हम बुद्धिमान पशुओं के बारे में सोचते हैं तो आमतौर पर भेड़-बकरी जैसे जानवर हमारे जेहन में सबसे पहले नहीं आते। हमारे जेहन में चिंपांजी, आरंगुटान, कैपुचिन्स जैसे पशु या कौए जैसा पक्षी आता है। लेकिन मेरे शोध में पता चला है कि भेड़, बकरियां और अल्पाका जैसे पशु भी कम अक्लमंद नहीं होते। दो अलग-अलग अध्ययनों में, मैंने पता लगाया कि ये जानवर कैसे सीखते हैं, याद रखते हैं और अपने आस-पास की दुनिया को कैसे समझते हैं। निष्कर्षों से न केवल यह पता चलता है कि हमने उनकी सोचने-समझने क्षमताओं को कम करके आंका है, बल्कि जानकारी भी मिली कि इन पशुओं के बीच भी महत्वपूर्ण अंतर हैं।

ट्रेंड

अनाज उत्पादक संकट में

ममता दीदी के कुशासन में खेत बंजर पड़े है और अनाज उत्पादक संकट में है। यहां किसानों को आलू मिट्टी के दामों पर बेचने को मजबूर होना पड़ रहा है। मैं स्वयं खेतों तक पहुँचा, किसानों से मिला और उनकी आँखों में चिंता स्पष्ट झलक रही थी।

- शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय कृषि मंत्री

चौधरी के निधन से दुःख

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद ए.एच. खान चौधरी के निधन से मुझे गहरा दुःख हुआ है। उन्होंने शांत स्वभाव, विनम्रता और अटूट प्रतिबद्धता के साथ अपना जीवन मालदा और पश्चिम बंगाल की जनता की सेवा में समर्पित कर दिया।

- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

महिलाओं के अधिकार

2047 तक विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब देश की महिला शक्ति को उनके पूर्ण अधिकार और सम्मान प्राप्त होंगे। आइए, राजनीति में महिलाओं की 33% भागीदारी सुनिश्चित करें और एक नए भारत की नींव रखें।

- अरुण गोविल, सांसद, भाजपा

विभाजनकारी नीतियां

भाजपा के सहयोगियों और समर्थकों की विभाजनकारी नीतियां अपने ही देश की जनता में भय पैदा करती हैं और उन्हें आपस में लड़ाती है। ये साम्राज्यवादी "बांटो और राज करो" मानसिकता के वैचारिक उत्तराधिकारी है।

- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

संक्षेप

बिजली तार से गेहूं की फसल में आग

8-10 बिस्वा खेत जलकर राख, ग्रामीणों ने आग बुझाई

अमेठी, उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले में महमूदपुर ग्राम सभा के मैनापुर में शुक्रवार दोपहर एक खेत में आग लग गई। बिजली के तारों से निकली चिंगारी के कारण स्वर्गीय राम आधार यादव के गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। मृतक राम आधार यादव की पत्नी सुमित्रा देवी ने बताया कि वे खेत में काम कर रहे थे, तभी तेज हवा के कारण बिजली के तार आपस में टकरा गए। तारों से निकली चिंगारी सूखी घास पर गिरी, जिससे आग तेजी से फैल गई। इस घटना में लगभग 8 से 10 बिस्वा गेहूं की फसल पूरी तरह जल गई। आग लगते ही मौके पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया और आसपास के ग्रामीणों को मदद के लिए बुलाया गया। आग बुझाने के प्रयासों में रणवीर इंटर कॉलेज के छात्र और शिक्षक भी शामिल हुए। ग्रामीणों ने तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी। दमकल टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। घटना की सूचना मिलते ही पूर्व केंद्रीय मंत्री रानी अमिता सिंह के प्रतिनिधि भास्कर मिश्रा और मकदूम सिंह घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने पीड़ित महिला को ढांढस बंधाया और हर संभव मदद का आश्वासन दिया। स्थानीय लोगों ने राजस्व विभाग को भी घटना की जानकारी दी है। राजस्व टीम द्वारा फसल क्षति का आकलन कर रिपोर्ट तैयार की जाएगी, ताकि सरकारी योजनाओं के तहत पीड़ित परिवार को मुआवजा मिल सके।

छात्राओं ने निकाली जागरूकता रैली

'शिक्षा हमारा अधिकार' नारे के साथ दिया स्कूल चलो अभियान का संदेश

अमेठी, गौरीगंज में 'स्कूल चलो अभियान' के तहत कस्तूरबा गांधी विद्यालय की छात्राओं ने एक जागरूकता रैली निकाली। सैकड़ों छात्राओं ने इस रैली में भाग लिया, जिसका उद्देश्य लोगों को शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक करना था। रैली के दौरान छात्राओं ने 'हम सब की यही पुकार, शिक्षा है हमारा अधिकार' जैसे नारे लगाए।यह रैली जिले में 1 अप्रैल से शुरू हुए 'स्कूल चलो अभियान' का हिस्सा थी। इस अभियान के तहत पूरे जिले में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर लोगों को बच्चों को स्कूल भेजने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। अभियान का औपचारिक शुभारंभ जिलाधिकारी संजय चौहान ने डीपीआरसी में एक कार्यक्रम में किया था। इसके बाद से जिले की सभी तहसीलों और ब्लॉकों में जागरूकता अभियान चलाकर अधिक से अधिक बच्चों को प्राथमिक विद्यालयों में प्रवेश दिलाने की अपील की जा रही है। इसी क्रम में, गौरीगंज के कस्तूरबा गांधी विद्यालय से निकली यह जागरूकता रैली पूरे कस्बे का भ्रमण करने के बाद तहसील कार्यालय के पास समाप्त हुई। रैली में शामिल छात्राएं सफेद पोशाक और टोपी पहने हुए थीं। छात्राओं ने रैली के माध्यम से आम जनता को यह संदेश दिया कि वे अपने बच्चों को स्कूल भेजें ताकि उन्हें अच्छी शिक्षा मिल सके।

क्योंकि शिक्षा उनका मौलिक अधिकार है।

सफलता: रूपईडीहा सीमा पर एसएसबी द्वारा मानव तस्करी का प्रयास विफल, नाबालिग नेपाली लड़की बरामद

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

रूपईडीहा, बहराइच। भारत-नेपाल सीमा स्थित रूपईडीहा की एस एस बी चेक पोस्ट पर सुरक्षा एजेंसियों ने मानव तस्करी के एक संदिग्ध मामले का खुलासा करते हुए एक नाबालिग नेपाली लड़की को सुरक्षित बरामद किया है। यह कार्रवाई 11 अप्रैल 2026 की शाम करीब 7 बजे नियमित जांच के दौरान की गई।जानकारी के अनुसार, चेक पोस्ट पर जांच के दौरान एक नेपाली नाबालिग लड़की और एक युवक को नेपाल से भारत में प्रवेश करते समय रोका गया। प्रारंभिक पूछताछ में लड़की ने युवक को अपना भाई बताया, लेकिन अधिकारियों को संदेह होने पर गहन जांच की गई।जांच के दौरान लड़की के पिता से संपर्क किया गया, जिसमें पता चला कि लड़की घर से भागी हुई थी और युवक परिवार के लिए पूरी तरह अज्ञात था। कड़ी पूछताछ में युवक ने स्वीकार किया कि वह नाबालिग को काठमांडू से बेंगलुरु ले जा रहा था। इस आधार पर मामला मानव तस्करी से जुड़ा संदिग्ध पाया गयाबरामद नाबालिग की पहचान 16 वर्षीय सबीना शाही के रूप में हुई है, जो नेपाल के कालिकोट जिले की निवासी है। वहीं, आरोपी युवक कमल शाही (23 वर्ष) को हिरासत में लिया गया।बचाई गई नाबालिग को नेपाल स्थित सामाजिक संस्था शांति पुनर्स्थापना गृह को सौंप दिया गया है, जबकि आरोपी युवक को आगे की कार्रवाई के लिए नेपाल पुलिस के हवाले कर दिया गया है।सुरक्षा एजेंसियों की इस सतर्कता से एक बड़ी घटना टल गई और सीमा पर मानव तस्करी के प्रयास को समय रहते विफल कर दिया गया।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान का आयोजन

अमन लेखनी समाचार

बाबागंज, बहराइच। 283 विधानसभा नानपारा के रूपईडीहा मंडल क्षेत्र के जैतापुर गांव में भारतीय जनता पार्टी के प्रशिक्षण कार्यशाला का पहला दिन सकुशल हुआ सम्पन्न। यह कार्यशाला पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान के तहत आयोजित हुआ।

चेयरमैन रूपईडीहा डॉ उमा शंकर वैश्य नें पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे आयोजन से पार्टी के कार्यकर्ताओ कों पार्टी की विचारधारा, आगामी चुनावी रणनीतियों से अवगत कराना है। साथ ही कार्यकताओं से आवाहन किया कि वे सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं को आम आदमी तक पहुंचाएं जिससे ज्यादा से ज्यादा ग्रामीण उक्त योजनाओं से लाभान्वित हो सके।तत्पश्चात जिलाध्यक्ष बृजेश पांडेय नें पंडित दीनदयाल उपाध्यक्ष के जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला। इस मौके पर सर्वेश मिश्रा, अमित वर्मा नवोदय, प्रोफेसर कृष्ण कुमार, मंडल अध्यक्ष महराजदीन वर्मा, पूर्व मंडल अध्यक्ष अजय मिश्रा, महामंत्री नरेंद्रबहादुर सिंह, योगेश पांडेय, आकाश सिंह, कन्हैया वर्मा, सर्वेश मिश्रा, अभिजीत सिंह सहित दर्जनों भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्पा सेंटर पर पुलिस का छापा

अनैतिक गतिविधियों के आरोप में संचालक सहित 5 पर केस

अमन लेखनी समाचार

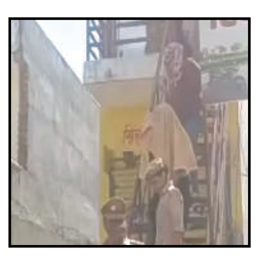

देवरिया, सलेमपुर नगर क्षेत्र में संचालित एक स्पा सेंटर पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। अनैतिक गतिविधियों की शिकायत मिलने के बाद जमुआ नंबर दो स्थित ₹क्लासिक स्पा₹ पर छापा मारा गया। पुलिस ने स्पा संचालक, मकान मालिक सहित पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।सलेमपुर-देवरिया मार्ग पर रामपुर मोड़ के पास स्थित इस स्पा सेंटर को लेकर पुलिस को लंबे समय से अनैतिक गतिविधियों की शिकायतें मिल रही थीं। शिकायतों के सत्यापन के बाद क्षेत्राधिकारी सलेमपुर और नायब तहसीलदार गोपाल के नेतृत्व में पुलिस ने छापेमारी की। इस दौरान पुलिस ने दूसरी मंजिल से कई लोगों को हिरासत में लिया।छापे के दौरान एक युवक और एक युवती आपत्तिजनक स्थिति में पाए गए, जिससे देह व्यापार की आशंका की पुष्टि हुई। इसके बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए संबंधित लोगों के खिलाफ अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज किया।इस मामले में दिवाकर चौहान, मनीष कुमार, दो महिलाओं और एक युवती को नामजद किया गया है। इनके अलावा, मकान मालिक महादेव कुशवाहा और स्पा संचालक अभिषेक गोड़ भी आरोपियों में शामिल हैं। सभी आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।क्षेत्राधिकारी सलेमपुर मनोज कुमार ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जिले में इस तरह की अवैध गतिविधियों के खिलाफ सख्त अभियान चलाया जा रहा है और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

महिला ने भाई के अपहरण, संपत्ति हड़पने का लगाया आरोप

सुल्तानपुर में पीड़िता ने डीएम - एसपी से न्याय की लगाई गुहार

अमन लेखनी समाचार

सुल्तानपुर, धम्मौर थाना क्षेत्र से एक मामला सामने आया है, जिसमें एक महिला ने अपने निःसंतान भाई के अपहरण और उसकी पैतृक संपत्ति पर अवैध कब्जे का आरोप लगाया है। पीड़िता ने जिलाधिकारी (डीएम) और पुलिस अधीक्षक (एसपी) को शिकायती पत्र सौंपकर न्याय की मांग की है। शिकायतकर्ता श्रीमती पत्नी राम अशीष ने बताया कि उनके भाई रामबोध निवासी ग्राम पूरे अल्पी मिश्र का पुरवा, मौजा भांटी निःसंतान थे। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी सालिकराम और उनके सहयोगियों ने साजिश रचकर 7 जुलाई 2025 को रामबोध का अपहरण कर लिया, ताकि उनकी चल-अचल संपत्ति पर कब्जा किया जा सके। पीड़िता का कहना है कि अपहरण की सूचना देने के बावजूद स्थानीय पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की। बाद में उच्चाधिकारियों के हस्तक्षेप पर केवल गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की जा सकी। आरोप है कि विपक्षी रामबोध की करीब 5-6 बीघा जमीन पर फर्जी दस्तावेज तैयार कर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं। पीड़िता ने बताया कि विपक्षियों ने खेत में बोई गई 40-50 कुंतल धान की फसल काट ली है और अब वे सरसों तथा गेहूं की फसल को भी जबरन काटने की फिराक में हैं। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि विरोध करने पर उन्हें जान से मारने की धमकी दी जा रही है और उनके बेटे को झूठे मुकदमे में फंसाने की साजिश रची जा रही है। इस मामले में पीड़िता ने उच्च न्यायालय लखनऊ में एक रिट याचिका दाखिल की है। न्यायालय ने संबंधित थाने से अन्वेषक अधिकारी को शपथ पत्र दाखिल करने का आदेश भी पारित किया है। पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक से निवेदन किया है कि उनकी गेहूं की फसल को कटने से बचाया जाए और दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। पुलिस प्रशासन की ओर से मामले की जांच के बाद उचित कदम उठाने की उम्मीद जताई जा रही है।

जम्मू कश्मीर में सुल्तानपुर का जवान शहीद

सैन्य सम्मान के साथ विदाई, भारत माता के जयकारे गूंजे, पिता भी सेना से रिटायर

अमन लेखनी समाचार

सुलतानपुर, जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में देश की रक्षा करते हुए शहीद हुए नायक अखिलेश शुक्ला का पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव मझना पूरे वैसी का पुरवा पहुंचा। तिरंगे में लिपटे शहीद के आगमन पर पूरा इलाका शोक में डूब गया। सुल्तानपुर के अलीगंज स्थित मझना गांव में पार्थिव शरीर पहुंचने पर जनसैलाब उमड़ पड़ा। अयोध्या से आए डोगरा रेजिमेंट के जवानों ने सैन्य सम्मान के साथ शहीद को कंधा दिया। इस दौरान 'भारत माता की जय' और 'अखिलेश शुक्ला अमर रहें' के नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। 28 मार्च को सर्च ऑपरेशन में लगी गोलीनायक अखिलेश शुक्ला एटए रेजिमेंट में तेहगांव में तैनात थे। 28 मार्च की रात लगभग 9 बजे एक सर्च ऑपरेशन के दौरान उन्हें गोली लग गई थी। गंभीर रूप से घायल होने के बाद उन्हें दिल्ली के सेना अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान बुधवार दोपहर 12 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। अंतिम संस्कार के दौरान सेना के जवानों ने पूरे सैन्य सम्मान के साथ शहीद को सलामी दी। बंदूकों की गूंज और बिगुल की धुन के बीच उनका अंतिम संस्कार संपन्न हुआ। इस दौरान उपस्थित सभी लोगों की आंखें नम थीं। 3 साल पहले ज्वाइन की थी नौकरीकृष्ण शुक्ल के बेटे अखिलेश शुक्ला उर्फ शुभम 3 साल पहले सेना के 33 वर्कशॉप एमी कोर में नायक के पद पर भर्ती हुए थे।

स्कूली बच्चों की सुरक्षा पर सवाल

नियमों की अनदेखी, बिना फिटनेस के ई-रिक्शा का इस्तेमाल

अमन लेखनी समाचार

अमेठी। स्कूली बच्चों के सुरक्षित आवागमन को लेकर गंभीर लापरवाही सामने आई है। शासन द्वारा निर्धारित सुरक्षा मानकों के बावजूद, सड़कों पर बिना फिटनेस और आवश्यक उपकरणों के वाहन धड़ल्ले से चल रहे हैं। फिलहाल, जिले का परिवहन विभाग लगातार स्कूलों का दौरा कर वाहनों की जांच और कार्रवाई कर रहा है।सरकारी आंकड़ों के अनुसार, जिले में 382 स्कूल बसें और 443 स्कूल वैन पंजीकृत हैं, जिनकी कुल संख्या 825 है। इनमें से बड़ी संख्या सुरक्षा मानकों का पालन नहीं कर रही है। 56 स्कूल बसों और 139 स्कूल वैन की फिटनेस अवधि समाप्त हो चुकी है। इसके अतिरिक्त, 89 वाहनों को फिटनेस न होने के कारण निलंबित किया गया है, जबकि 106 वाहन संचालकों को नोटिस जारी किए गए हैं। इन सबके बावजूद, कई वाहन नियमों का उल्लंघन कर सड़कों पर दौड़ते नजर आ रहे हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि जिले में ई-रिक्शा स्कूली वाहन के रूप में कहीं भी पंजीकृत नहीं हैं, फिर भी इन्हीं के माध्यम से बच्चों को स्कूल ले जाया जा रहा है। जमीनी हकीकत यह है कि अधिकांश स्कूली वाहनों में न तो जीपीएस सिस्टम लगा है, न सीसीटीवी कैमरा और न ही खिड़कियों पर सुरक्षा जाली। कई वाहनों में क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाया जा रहा है, जिससे दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है। जिले के एआरटीओ महेंद्र बाबू गुप्ता ने बताया कि स्कूली वाहनों को लेकर लगातार अभियान चलाया जा रहा है। विभाग के अधिकारी सभी स्कूलों में जाकर सरकार द्वारा निर्धारित 'अप इंटीग्रेटेड व्हीकल मैनेजमेंट पोर्टल' पर रजिस्ट्रेशन के लिए कह रहे हैं। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे ई-रिक्शा से अपने बच्चों को स्कूल न भेजें, क्योंकि यह गलत है।

असम मुख्यमंत्री के बयान पर भड़के कांग्रेसी

कलेक्ट्रेट पर पुतला फूंकने को लेकर पुलिस से नोकझोंक, हंगामा

अमन लेखनी समाचार

अलीगढ़, कांग्रेस के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के खिलाफ कलेक्ट्रेट पर जमकर प्रदर्शन किया। पूर्व विधायक और पूर्व हरियाणा प्रभारी विवेक बंसल के नेतृत्व में पहुंचे पदाधिकारियों और कार्यकताओं की पुतला दहन करने की कोशिश करने पर पुलिस से नोकझोंक हुई।इस दौरान काफी देर तक हंगामा भी होता रहा।

पुलिस पर दमनकारी नीति का आरोप

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेता विवेक बंसल ने कहा कि असम के मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के खिलाफ जिस अमर्यादित और असंसदीय भाषा का प्रयोग किया है, वह संवैधानिक मयार्दा के विपरीत है। उन्होंने पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि हम लोकतांत्रिक तरीके से पुतला फूंकने आए थे, लेकिन पुलिस ने दमनकारी रुख अपनाते हुए जबरन पुतला छीन लिया। आरोप लगाया कि भाजपा के संगठन जब चाहें पुतला फूंक लेते हैं। उस समय पुलिस को सार्वजनिक स्थलों की मयार्दा याद नहीं आती। यह दोहरी नीति देश के लोकतंत्र को कमजोर कर रही है।

भाजपा पर लगाया दुरुपयोग करने का आरोप

विवेक बंसल ने कटाक्ष करते हुए कहा कि आज देश में चुनाव आयोग से लेकर हर सरकारी संस्थान का भाजपा द्वारा दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने हिमंत बिस्वा सरमा को 'निरंकुश' करार देते हुए राहुल गांधी के प्रति उनकी बयानबाजी की भी कड़ी निंदा की।

महानगर अध्यक्ष की चेतावनी- 'कल 10 पुतले फूकेंगे'

कांग्रेस महानगर अध्यक्ष नवेद खान ने पुलिस प्रशासन को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि योगी-मोदी राज में पुलिस खुद सरकार और भाजपा के एजेंट के रूप में काम कर रही है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि राष्ट्रीय नेताओं का अपमान कांग्रेस बर्दाश्त नहीं करेंगे। पुलिस ने जबरदस्ती पुतला छीना है, लेकिन कल हम 10 पुतले लेकर आएंगे।

मलबा हटा रहे युवक को कार ने मारी टक्कर

उछलकर हैडरा से टकराया, मौके पर मौत, ड्राइवर कार लेकर फरार

अमन लेखनी समाचार

शाहजहांपुर, नेशनल हाइवे 24 के ओवरब्रिज पर एक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। युवक क्षतिग्रस्त पिकअप का मलबा हटा रहा था, तभी एक तेज रफ्तार कार ने उसे टक्कर मार दी। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। मृतक की पहचान 19 वर्षीय अमित के रूप में हुई है, जो थाना कटरा क्षेत्र के हुलासनगला का निवासी था। अमित हैडरा पर मजदूरी का काम करता था। वह हैडरा मालिक के साथ काम के लिए जाता था। बीती रात कटरा थाना क्षेत्र के ओवरब्रिज पर एक पिकअप दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी, जिसका मलबा सड़क पर बिखर गया था। इस मलबे को हटाने के लिए हैडरा मालिक को बुलाया गया था, और अमित भी उनके साथ मजदूरी करने आया था। शनिवार सुबह करीब आठ बजे अमित सड़क पर हैडरा की बेल्ट से मलबे को बांध रहा था। इसी दौरान शाहजहांपुर से बरेली की ओर जा रही एक तेज रफ्तार कार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि अमित उछलकर करीब बीस फीट दूर हैडरा से जा टकराया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हैडरा मालिक जब अपने केबिन से बाहर निकले, तब तक कार चालक बरेली की ओर फरार हो चुका था। घटना की सूचना पुलिस और अमित के परिजनों को दी गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों ने बताया कि अमित अपने एक भाई और एक बहन में सबसे छोटा था।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग

13 बीघा गेहूं की फसल जलकर राख, किसानों को भारी नुकसान

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़, पट्टी तहसील क्षेत्र में शॉर्ट सर्किट से लगी आग ने सैकड़ों बीघा गेहूं की फसल को जलाकर राख कर दिया। तेज हवाओं के कारण आग तेजी से फैली और कई गांवों को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है।यह आग सबसे पहले कलियनापुर गांव में लगी थी। यहां विपिन तिवारी, रविकांत तिवारी, मातादीन यादव, राम बहादुर यादव, विनोद यादव और लविश यादव सहित कई किसानों की लगभग 12 से 13 बीघा गेहूं की फसल पूरी तरह जलकर खाक हो गई। तेज हवाओं के कारण आग जल्द ही बरहूपुर, नवाबाद, भिवनी और वारीकलां जैसे पड़ोसी गांवों तक फैल गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग की लपटें और धुआं दूर से ही दिखाई दे रहा था। इस भीषण अग्निकांड में खड़ी फसल के साथ-साथ एक हार्वेस्टर मशीन भी जलकर नष्ट हो गई। कंधई थाना क्षेत्र के कमाही गांव में भी शॉर्ट सर्किट के कारण कई बीघा गेहूं की फसल को नुकसान पहुंचा है।आग लगने की सूचना पर फायर ब्रिगेड को बुलाया गया, लेकिन कई स्थानों पर दमकल की गाड़ियां समय पर नहीं पहुंच सकीं। ऐसे में ग्रामीणों ने बाल्टियों, पंपसेट और उपलब्ध अन्य संसाधनों की मदद से घंटों मशक्कत कर आग पर काबू पाया। किसानों ने अपनी जलती फसलों को बचाने के लिए हर संभव प्रयास किया।

प्रतापगढ़ में कार डिवाइडर से टकराई

हादसे में घायल मां-बेटी की मौत, दंपति घायल

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़, हथिगवां थाना क्षेत्र में हुए एक सड़क हादसे में दो महिलाओं मौत हो गई, जबकि एक दंपती गंभीर रूप से घायल हो गया। हथिगवां थाना क्षेत्र के जहानाबाद फ्लाईओवर के पास हुई, जहां एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे का एक लाइव वीडियो भी सामने आया है। हरियाणा के फरीदाबाद निवासी आशीष चक्रवर्ती अपने परिवार के साथ टाटा टियागो कार से कोलकाता से दिल्ली जा रहे थे। सुबह करीब 11:30 बजे उनकी कार जहानाबाद फ्लाईओवर के पास पहुंची, तभी चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया। बेकाबू होकर डिवाइडर से टकराई कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार सभी चारों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोग मदद के लिए आगे आए। सूचना मिलने पर पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची। घायलों को तुरंत मूरतगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी को जिला अस्पताल मंझनपुर (कौशांबी) रेफर कर दिया गया। दो महिलाओं की मौत जिला अस्पताल में चिकित्सकों ने 70 वर्षीय मंजू भद्र और 58 वर्षीय बुलबुल को मृत घोषित कर दिया। मंजू भद्र घायल आशीष चक्रवर्ती की सास थीं, जबकि बुलबुल उनकी बहन बताई जा रही हैं। आशीष चक्रवर्ती और उनकी पत्नी मोनिका की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है और उनका इलाज जारी है। इस हादसे का एक लाइव वीडियो सामने आया है, जिसमें टक्कर के बाद का दृश्य और क्षतिग्रस्त कार दिखाई दे रही है। प्राथमिक जांच में चालक को झपकी आने से हादसा होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।

बिजली व्यवस्था हुई ध्वस्त किसानों की जली सैकड़ो बीघा फसल

आंखों के सामने जलती फसल देख खून के आंसू रोते दिखे किसान

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। जनपद के भिठौरा विकासखंड अंतर्गत नरौली बुजुर्ग गांव में 11000 वोल्टेज हाई टेंशन लाइन के साथ सर्किट ने दर्जनों किसानों की रोजी-रोटी पर प्रहार किया बड़ी लाइन में हुए सार्टसर्किट से सैकड़ो बीघा गेहूं की फसल जलकर राख हो गई फसल जलते देख आसपास के किसानों ने भरसक आग बुझाने का प्रयास किया परंतु नाकाम रहे वहीं अग्निशमन विभाग को सूचना दी जब तक विभाग पहुंचता तब तक सैकड़ो बीघे फसल को आग ने अपना निवाला बना लिया गरीब किसानों की रोजी-रोटी समाप्त हो गई वहीं सूचना पाकर पहुंची स्थानीय पुलिस बल थाना हुसैनगंज प्रभारी समेत अन्य अधिकारियों ने मौके का जायजा लिया काफी समय बाद पहुंची अग्निशमन विभाग की गाड़ी ने बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया ग्रामीण उत्तम सिंह ने बताया कि इस बड़ी घटना के बाद बिजली विभाग के ऊपर किसानों ने गहरा आक्रोश जताया वहीं सूचना मिलने पर पहुंचे नायब तहसीलदार तहसीलदार सदर राजस्व लेखपाल विमल सरोज समेत सभी आला अधिकारी मौके पर पहुंचे जहां जानकारी लेने पर पता चला कि गांव के किसान श्यामनारायण अवस्थी योगेंद्र सिंह झानू सिंह मंझिल सिंह अमित सिंह समरजीत सिंह बलराम समेत दर्जनों किसानों कि फसलें पूर्ण रूप से स्वाहा हो चुकी है मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने विवेचना करते हुए सरकार से यथा संभव मदद दिलाने का किसानों को आश्वासन दिया

एलपीजी की किल्लत दो वक्त की रोटी को मोहताज क्षेत्रवासी

अमौली के सर्वोत्तम गैस एजेंसी में देर रात तक लगी भीड़

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। देश प्रदेश एवं जनपद में जगह-जगह रसोई गैस की समस्या का समाधान अभी तक नहीं हो पा रहा है जगह-जगह गैस एजेंसी में प्रातः काल 6 बजे से देर रात 10 बजे तक उपभोक्ताओं की भीड़ निरंतर दिखाई दे रही है ताजा सर्वे के अनुसार कल देर शाम 8 बजे की रिपोर्ट के अनुसार जनपद के अमौली कस्बे में संचालित सर्वोत्तम गैस एजेंसी में उपभोक्ताओं की भारी भीड़ दिखाई दी उपभोक्ताओं ने बताया कि गैस न मिलने से दो वक्त की रोटी मुश्किल से प्राप्त होती है वही एजेंसी के चक्कर लगाकर क्षेत्रवासी थक चुके हैं एलपीजी की कम उपलब्धता के कारण तथा तकनीकी समस्याओं के कारण ऑनलाइन बुकिंग होने के पश्चात भी उपभोक्ताओं के मोबाइल फोन पर डीएसी नंबर नहीं आ रहे हैं डीएसी नंबर उपलब्ध न होने के कारण गैस एजेंसी संचालक कर्मचारी उपभोक्ता को गैस उपलब्ध कराने में समस्या खड़ी कर रहे हैं देर रात बिजली न होने के बाद भी उपभोक्ता अंधेरे में खड़े होकर लाइन लगाकर एलपीजी गैस लेने का इंतजार कर रहे हैं यदि वर्तमान सरकार ने इन समस्याओं का निराकरण जल्द ही नहीं निकाला तो निश्चित रूप से क्षेत्र वासियों के समक्ष एक बड़ी समस्या खड़ी हो जाएगी

संक्षेप

शिक्षक संघ का धरना, डीआईओएस को ज्ञापन सौंपा

एनपीएस, पेंशन और ग्रेच्युटी सहित लंबित समस्याओं के समाधान की उठाई मांग

बागपत , उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ ने शिक्षकों की लंबित मांगों के निस्तारण के लिए जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान डीआईओएस को एक ज्ञापन सौंपा गया ज्ञापन में शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया है। संघ ने मांग की है कि एनपीएस खातों में राज्य सरकार द्वारा ब्याज अपडेट किया जाए। साथ ही, पुरानी पेंशन योजना में शामिल किए गए शिक्षकों की एनपीएस राशि को जीपीएफ में स्थानांतरित किया जाए। संघ ने विशेष बीटीसी शिक्षकों के विकल्प पत्र को समयबद्ध तरीके से निदेशालय भेजने की भी मांग की, ताकि उनकी लंबित प्रक्रियाएं पूरी हो सकें। इसके अतिरिक्त, 20 से 25 लाख रुपये की ग्रेच्युटी वाले शिक्षकों के भुगतान की व्यवस्था जल्द सुनिश्चित करने की बात कही गई पदाधिकारियों ने मृतक आश्रितों को ग्रेच्युटी भुगतान, बकाया वेतन और पेंशन संबंधी व्यक्तिगत मामलों के समाधान की भी मांग की। शिक्षकों के मानव संपदा पोर्टल पर डेटा अपडेट और सुधार की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया।जिला मंत्री हरेंद्र नाथ सहाय के नेतृत्व में दिए गए इस ज्ञापन में चेतावनी दी गई है कि यदि समस्याओं का जल्द समाधान नहीं हुआ, तो संगठन आगे आंदोलन करने को बाध्य होगा। जिला विद्यालय निरीक्षक राघवेंद्र ने ज्ञापन प्राप्त कर आश्वासन दिया है कि सभी बिंदुओं पर गंभीरता से विचार किया जाएगा और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए जाएंगे।

खेकड़ा में फर्जी अवैध क्लीनिक के संचालन का आरोप

सीएमओ बोले- शिकायत मिलने पर कराएंगे जांच

बागपत ,खेकड़ा तहसील क्षेत्र में एक फर्जी डॉक्टर द्वारा अवैध क्लिनिक चलाने का मामला सामने आया है। एक युवक ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि एक व्यक्ति बिना किसी मान्यता प्राप्त मेडिकल डिग्री के मरीजों का इलाज कर रहा है। शिकायतकर्ता युवक ने आरोप लगाते हुए बताया कि आरोपी व्यक्ति के पास कोई वैध मेडिकल डिग्री नहीं है। इसके बावजूद वह मरीजों का इलाज कर रहा है, जिससे उनकी सेहत और जान को खतरा हो रहा है। युवक ने यह भी आरोप लगाया कि गलत उपचार के कारण कई मरीजों की हालत बिगड़ चुकी है, लेकिन डर के कारण कोई भी खुलकर सामने नहीं आ रहा है। शिकायत में यह भी बताया गया है कि जब इस अवैध क्लिनिक के खिलाफ आवाज उठाई जाती है, तो आरोपी लोगों को धमकाता है। इससे स्थानीय नागरिकों में भय का माहौल बना हुआ है और वे शिकायत करने से कतरा रहे हैं। युवक ने सीएमओ से इस मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल जांच कराने और दोषी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। इस संबंध में, सीएमओ डॉ. तीरथलाल का कहना है कि उन्हें अभी तक यह शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि शिकायत मिलने पर पूरे मामले की जांच की जाएगी और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बाल शिक्षा शिखर सम्मान से सुशोभित हुए जनपद के युगल शिक्षक

फतेहपुर के शिक्षक सुनील तिवारी तथा ऊषा सिंह हुए सम्मानित

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर, प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आयोजित साहित्य का संगम शैक्षिक संवाद मंच कार्यक्रम अंतर्गत राष्ट्रीय बाल शिक्षा शिखर सम्मान समारोह आयोजित हुआ कार्यक्रम के संयोजक दुर्गेश्वर राय तथा अध्यक्ष विनीत कुमार मिश्रा द्वारा चयनित लगभग 88 शिक्षकों को बाल शिक्षा शिखर सम्मान से सुशोभित किया गया महत्वपूर्ण पुस्तकों के विमोचन के साथ-साथ जनपद के खजुआ विकासखंड शिक्षा क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय आलमगंज की शिक्षिका ऊषा सिंह तथा देवमई विकासखंड शिक्षा क्षेत्र के कम्पोजिट विद्यालय गंगचौली बुजुर्ग के शिक्षक सुनील तिवारी को विशेष सम्मान से सम्मानित किया गया कुल आठ पुस्तकों का विमोचन हुआ जहां आए हुए सभी शिक्षकों का कार्यक्रम के प्रमुख आयोजक दुर्गेश्वर राय ने आभार व्यक्त किया

हमे तो आवास विकास के फ्रॉड ने लूट लिया

सेंट्रल मार्केट केव्यापारियों का दर्द बोले- पैसा भी गया और दूकान भी नहीं बची

अमन लेखनी समाचार

मेरठ, आज के बाद सेंट्रल मार्केट के 860 आवासीय भूखंडों में कोई दुकान नहीं चलेगी और 2 महीने के अंदर अंदर सेटबैक के तहत सबको अपने प्रतिष्ठान तोड़ने भी होंगे। यह आदेश सुप्रीम कोर्ट द्वारा हुई सुनवाई के दौरान किया गया। इसके बाद? व्यापारियों में आवास विकास के खिलाफ गुस्सा और भी ज्यादा बढ़ गया है, उनका कहना है कि यदि आवास विकास सही समय पर सही साक्ष्य माननीय सुप्रीम कोर्ट के सामने पेश करते तो आज जिस प्रकार से व्यापारियों के रोजगार बंद हो रहे हैं वैसा नहीं होता।सबसे पहले जानिए सुनवाई में क्या हुआ सुप्रीम कोर्ट में गुरूवार को हुई सुनवाई के बारे में मार्केट के लीगल एडवाइजर और सुप्रीम कोर्ट में जो मामला चल रहा उसमें सक्रिय रहने वाले एडवोकेट अंजनेय सिंह ने गताया किजो 44 संपत्तियां आवास विकास द्वारा सील की गई है उनको राहत देने से मना कर दिया है। इसके साथ ही बाकी जो संपत्तियां हैं उनको आदेश दिया है कि इन प्रतिष्ठानों में कोई भी कमर्शियल गतिविधि नहीं चलेगी। इसके साथ ही अपने नक्शे के हिसाब से अपने अस्वीकृत प्रतिष्ठान को तोड़ लीजिए इसके लिए दो महीने का समय दिया गया है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया है कि सेटबैक के बाद भी इसमें कोई भी कमर्शियल गतिविधि नहीं की जाएगी, इन तमाम भूखंडों में जब तक सरकार कोई नई नीति नहीं लेकर आती है तब तक कोई प्रतिष्ठान नहीं चल पाएगा। इस मामले की अगली सुनवाई 14 जुलाई को होनी है। सुप्रीम कोर्ट में आया 70 करोड का मामला अंजनेय सिंह ने बताया भू-उपयोग बदलने के लिए आवास विकास में व्यापारियों द्वारा शमन शुल्क के रूप में दिए गए लगभग 70 करोड़ रुपए के मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमारे द्वारा भू उपयोग बदलने का कोई भी आदेश जारी नहीं किया गया था। यह केवल आवास विकास द्वारा आपके साथ एक फ्रॉड किया गया है। अपने पैसे की मांग आवास विकास से कीजिए। इस प्रकरण पर आवास विकास के प्रमुख सचिव बी गुरुप्रसाद ने कहा कि व्यापारियों ने अपनी मर्जी से पैसा जमा किया है

शॉर्ट सर्किट से झुग्गियों में आग

महिला ने भागकर बचाई जान, बिजली घर भी चपेट में आया

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , मेडिकल थाना क्षेत्र में संत विवेकानंद स्कूल पुल के पास सड़क किनारे बनी झुग्गियों में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही मिनटों में उसकी लपटें ऊंची उठने लगीं, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। राहगीरों और स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, पुल के पास मुनिया कश्यप नामक एक बुजुर्ग महिला की झुग्गी के ऊपर से गुजर रहे बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट हुआ। इससे झुग्गी में आग लग गई, जो तेजी से आसपास की अन्य झुग्गियों तक फैल गई। आग की भयावहता इतनी थी कि पास स्थित बिजली घर भी उसकी चपेट में आ गया। इस घटना के कारण पीवीएस की ओर जाने वाला मुख्य मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया, जिससे लोगों में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने लगभग एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर सफलतापूर्वक काबू पाया। सौभाग्य से, आग लगने से पहले ही बुजुर्ग महिला मुनिया कश्यप अपनी झुग्गी से सुरक्षित बाहर निकल आईं, जिससे किसी बड़े जानमाल के नुकसान से बचा जा सका। यूनिवर्सिटी जा रहे छात्र नेता विनीत चपराना ने भी तत्काल फायर ब्रिगेड और पुलिस को घटना की सूचना दी, जिससे राहत कार्य शीघ्रता से शुरू हो सके। आग लगने के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है, हालांकि प्राथमिक तौर पर शॉर्ट सर्किट को ही इसका मुख्य कारण माना जा रहा है।

पुलिस की पिटाई से घायल युवक की हालत नाजुक

गाजियाबाद के निवाड़ी में पुलिस के खिलाफ महापंचायत की तैयारी, अज्ञात में केस दर्ज

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद , निवाड़ी थाने में नगर पंचायत के कर्मचारी अमित चौधरी को हिरासत में लेने और थाने में पीटने की घटना अब राजनीतिक मोड़ लेने लगी है। यशोदा अस्पताल में अमित की हालत नाजुक है, जिन्हें डॉक्टरों ने वेंटिलेटर पर रखा है। इससे पहले गुरुवार शाम सैकड़ों लोगों ने निवाड़ी थाने का घेराव कर जमकर हंगामा किया। इसमें रालोद नेता और स्थानीय ग्रामीण भी एक जुट होने लगे हैं। डॉक्टरों का कहना है कि अमित की स्थिति में सुधार नहीं है। आज निवाड़ी में पुलिस के खिलाफ महापंचायत की तैयारी है, जहां निवाड़ी में दोपहर से आसपास के लोग जुटना शुरू होंगे। इस मामले में डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्रनाथ तिवारी ने 2 दरोगा समेत 4 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया।

शराब पीते हुए हिरासत में लिया अमित

निवाड़ी थाना क्षेत्र के पतला गांव निवासी अमित कुमार (32 साल) पुत्र सुभाष चौधरी नगर पंचायत में आउटसोर्सिंग कर्मचारी हैं। वह पतला की चेयरमैन रीता चौधरी का ड्राइवर भी है। 7 अप्रैल की रात को अमित 3 साथियों के साथ शराब पी रहा था। इसी बीच वहां पर निवाड़ी चौकी इंचार्ज लोकेंद्र पुलिस के साथ पहुंचे, इसके बाद पुलिस अमित को हिरासत में लेकर निवाड़ी थाने ले आई। अमित के छोटे भाई सुमित ने बताया कि मैं आर्मी में हूं। मेरी दिल्ली में पोस्टिंग है। पुलिस वाले मेरे भाई को लेकर गए। पुलिस ने अमित को हवालात में बंद करके पीटा। जब उसकी तबियत खराब हो गई। तो पुलिस उसे यशोदा अस्पताल लेकर पहुंचे।परिवार बोला ट्रक से घायल नहीं, थर्ड डिग्री दी गईअमित के भाई सुमित और पिता सुभाष चौधरी ने कहा कि हमें 8 अप्रैल की रात रात करीब डेढ़ बजे फोन आया कि अमित की तबियत खराब है। जब उसकी तबियत खराब थी तो वह कैसे भागा। पुलिस वाले ही दोषी है। उन्होंने घटनास्थल से लेकर चौकी तक सभी सीसीटीवी के फुटेज डिलीट कर दिए हैं। पिता ने केस दर्ज कराते हुए निवाड़ी थाने में बताया कि मेरा बेटा शराब पी रहा था तो शांतिभंग में कार्रवाई करनी थी, उसे हवालात में पुलिस ने पीटा। सीसी टीवी फुटेज में अमित पुलिस की गाड़ी रुकने पर कूदकर भागता हुए अलग अलग स्थानों पर कैमरों में कैद हुआ। उसके जहां पीछे 2 पुलिसकर्मी भागते हुए भी दिख रहे हैं। परिवार का कहना है कि पुलिस ट्रक की चपेट में आकर अमित को घायल होना बता रही है। जबकि सच्चाई यह है कि वह पुलिस की पिटाई से घायल हुआ है।

सुप्रीम कोर्ट बोला-मेरठ का मामला देश के लिए चेतावनी

जिंदगी की कीमत पर व्यवसाय नहीं चलेगा, 859 संपत्तियों को तोड़ने के आदेश

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , सुप्रीम कोर्ट ने मेरठ में अवैध निर्माण के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने गुरुवार को 859 संपत्तियों पर बने अवैध सेटबैक को दो महीने के भीतर तोड़ने का आदेश दिया है। अवैध सेटबैक यानी इमारत के चारों ओर छोड़ी जाने वाली अनिवार्य खाली जगह में किया गया निर्माण। मामला सिर्फ यूपी तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के लिए चेतावनी है। अगर प्रशासन ने समय रहते कदम उठाए होते, तो इतनी बड़ी समस्या पैदा नहीं होती।कानून का राज लोगों के शोर-शराबे के आगे झुक नहीं सकता है। व्यवसाय किसी की जिंदगी की कीमत पर नहीं चल सकता है। कोर्ट ने यूपी के अधिकारियों को फटकार लगाई। कहा- स्कूलों, अस्पतालों और यहां तक कि सरकारी बैंकों को भी ऐसी इमारतों से चलाने की इजाजत कैसे दी, जो पूरी तरह से अवैध और बिना इजाजत हैं। मामले में 6 अप्रैल को कोर्ट ने 859 संपत्तियों में से सेंट्रल मार्केट की 44 संपत्तियों को सील करने का आदेश दिया था और रिपोर्ट मांगी थी। आवास विकास परिषद ने सभी 44 दुकानों को सील कर दिया। प्रशासन ने कोर्ट को जानकारी दी कि 44 संपत्तियां सील कर दी गई हैं। हालांकि, सीलिंग के दौरान अफसरों को व्यापारियों के विरोध का सामना करना पड़ा। मामले में अब अगली सुनवाई जुलाई में होगी। 'सेटबैक को किसी भी तरह वैध नहीं किया जा सकता' जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ में मामले की सुनवाई हुई। कोर्ट में यूपी आवास एवं विकास परिषद की तरफ से पेश हुए वकील राजीव शकधर ने बताया- सील की गई 44 संपत्तियों में 6 स्कूल, 6 अस्पताल, 4 बैंक्वेट हॉल, 3 बैंक और एक नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी शामिल हैं। इस पर पीठ ने कड़ी नाराजगी जताई। कोर्ट ने सवाल उठाया कि इन संस्थानों की अनुमति किसने दी। कहा- हमारे लिए सबसे जरूरी बात मासूम बच्चों, आम लोगों और मरीजों की जान है। हमें आपके बिजनेस से कोई लेना-देना नहीं है। आप किसी की जान की कीमत पर अपना बिजनेस कर रहे हैं। सेटबैक को किसी भी तरह वैध नहीं किया जा सकता। कोई भी व्यक्ति जुमार्ना या फीस देकर इस अवैध कब्जे को सही नहीं ठहरा सकता। नियम सख्ती से लागू किए जाएंगे। 'ध्वस्तीकरण का खर्चा कब्जादारों से वसूले प्रशासन' पीठ ने अवैध निर्माण को गिराने की प्रक्रिया को साफ किया। कोर्ट ने अधिकारियों से कहा कि अवैध निर्माण हटाने के लिए पहले नोटिस दिया जाएगा। कब्जा करने वालों को 10 से 15 दिन का समय मिलेगा कि वे खुद अवैध हिस्सा हटा लें। अगर वे ऐसा नहीं करते तो प्रशासन खुद ध्वस्तीकरण करेगा।

बाइक इंजन सीज होने पर खुद पर डाला पेट्रोल

खराब फ्यूल के पैसे वापस न देने पर आग लगाने की कोशिश, पुलिस ने बचाया

अमन लेखनी समाचार

नोएडा , एक युवक ने अपने ऊपर पेट्रोल डाल लिया। आग लगाता इससे पहले ही मौके पर पहुंची पुलिस ने उस पर पानी डाल दिया। पुलिस ने युवक को समझाया और उसे घर भेजा। युवक गतल तेल भरने से नाराज था। इसलिए उसने अपने ऊपर पेट्रोल डाल लिया था। ये पूरा मामला 8 अप्रैल का है। इसका एक वीडियो अब सामने आया। वीडियो में दिख रहा है कि एक पुलिस कर्मी युवक पर पानी की कैन डाल रहा है। युवक का नाम रवी है और निठारी का रहने वाला है। पुलिस ने बताया कि घटना से दो से तीन दिन पहले इसने सेक्टर-49 थाना क्षेत्र स्थित एक पेट्रोल पंप से तेल भरवाया। इंजन में खराबी से थे नाराज एक दिन बाद ही बाइक का इंजन खराब हो गया। जिससे नाराज युवक पेट्रोल पंप गया और पेट्रोल के पैसे वापस मांगने लगा।

गौतमबुद्ध नगर में 15 लाख 5 हजार 82 मतदाता

2 हजार 24 मतदेय स्थल, राजनितिक दलों को उपलब्ध कराई गई सूची

अमन लेखनी समाचार

नोएडा, एसआईआर के तहत विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचन नामावलियों का अंतिम प्रकाशन कर दिया गया। इसी क्रम में सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को अंतिम मतदाता सूची भी उपलब्ध करा दी गई है। डीएम मेधा रूपम ने बताया कि गौतम बुद्ध नगर में कुल 15 लाख 5 हजार 82 मतदाता रजिस्टर्ड हैं। जिनमें 8 लाख 23 हजार 304 पुरुष, 6 लाख 81 हजार 728 महिला व 50 ट्रांसजेंडर मतदाता सम्मिलित है। विधानसभा क्षेत्र 61-नोएडा में कुल 5 लाख 87 हजार 195 मतदाता हैं। जिनमें 3 लाख 24 हजार 477 पुरुष, 2 लाख 62 हजार 708 महिला व 10 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं। विधानसभा क्षेत्र 62-दादरी में कुल 6 लाख 5 हजार 204 मतदाता हैं। जिनमें 3 लाख 28 हजार 244 पुरुष, 2 लाख 76 हजार 926 महिला व 34 ट्रांसजेंडर मतदाता सम्मिलित हैं। विधानसभा क्षेत्र 63-जेवर में कुल 3 लाख 12 हजार 683 मतदाता रजिस्टर्ड हैं, जिनमें 1 लाख 70 हजार 583 पुरुष, 1 लाख 42 हजार 94 महिला व 06 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं। मतदान केंद्रों के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि जनपद में वर्तमान में कुल 743 मतदान केंद्र स्थापित हैं। जिनमें विधानसभा क्षेत्र 61-नोएडा के 233, 62-दादरी के 303 व 63-जेवर के 207 मतदान केंद्र शामिल हैं।

नोएडा में 1 करोड़ के फ्लैट की बालकनी गिरी

छज्जे का प्लास्टर टूटकर नीचे गिरा, युवती बोली- बाल-बाल बची जान; 28 हजार किराया देते हैं

अमन लेखनी समाचार

गौतम बुद्ध नगर , ग्रेटर नोएडा की एक महंगी सोसाइटी में फ्लैट की बालकनी का प्लास्टर गिरने का मामला सामने आया है। बीटा 2 थाना क्षेत्र के सेक्टर चाई-5 स्थित निम्बस 2 सोसाइटी में यह घटना हुई, जहां अचानक बालकनी का एक बड़ा हिस्सा नीचे गिर गया। एक युवती ने इस घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया है। सोनम सिंह नामक युवती ने सोशल मीडिया पर वीडियो साझा करते हुए बताया कि वह चाई-5 में स्थित इस फ्लैट में रहती हैं। उन्होंने जानकारी दी कि वे इस फ्लैट का 28,000 रुपये मासिक किराया देती हैं और इसकी कीमत 1 करोड़ रुपये है। युवती के अनुसार, रात करीब 2 बजे वे टीवी देख रहे थे तभी अचानक तेज आवाज आई। बाहर जाकर देखने पर पता चला कि बालकनी का एक बड़ा हिस्सा टूटकर नीचे गिर गया था। सोनम सिंह ने वीडियो में निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि उस समय कोई व्यक्ति बालकनी के नीचे होता तो उसकी जान भी जा सकती थी। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। हालांकि, वीडियो में दिख रही युवती ने इस मामले पर मीडिया से बात करने से इनकार कर दिया।यह ग्रेटर नोएडा में इस तरह की पहली घटना नहीं है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, हरदोई नगर द्वारा भव्य पथ संचलन सम्पन्न

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, हरदोई नगर द्वारा आज एक भव्य पथ संचलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बाल विद्या भवन, नघेटा रोड, हरदोई से हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों ने पूर्ण गणवेश में अनुशासित रूप से सहभागिता की। इस अवसर पर उपस्थित स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए माननीय क्षेत्र संघचालक श्री कृष्णमोहन जी ने कहा कि यह वर्ष राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना का शताब्दी वर्ष है।इस अवसर पर देशभर में हिंदू चेतना जागरण हेतु विभिन्न हिंदू सम्मेलन आयोजित किए गए, जिनमें आमजन एवं संत समाज के मध्य सार्थक संवाद स्थापित हुआ। उन्होंने आगे कहा कि यह वर्ष संत रविदास जी की 650वीं जयंती का भी वर्ष है।इस संदर्भ में माननीय सरकार्यवाह जी ने 2026 की अखिल भारतीय प्रतिनिधी सभा मे वक्तव्य जारी किया है व सामाजिक समरसता की दिशा मे कार्य करने का आह्वान किया है। समाज मे समरसता के अभाव का लाभ बाहरी आक्रमणकारियों ने उठाया। अतः सामाजिक समरसता न केवल समाज के लिए, बल्कि देश की सुरक्षा एवं विकास के लिए भी अत्यंत आवश्यक है।संत रविदास जी की शिक्षाएं समाज को एकजुट रखने एवं जातिगत भेदभाव समाप्त करने में मार्गदर्शक सिद्ध हो सकती हैं। उन्होंने ह्लएक मंदिर, एक कुआं और एक श्मशानह्व की अवधारणा को समाज में समानता एवं भाईचारे को बढ़ावा देने वाला बताया। सामाजिक समरसता संघ द्वारा लिए गए पंच संकल्पों में से एक प्रमुख संकल्प है। अन्य संकल्पों का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि कुटुंब प्रबोधन के अंतर्गत परिवारों में आपसी प्रेम एवं संयुक्त परिवार व्यवस्था को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है। पर्यावरण एवं जल संरक्षण के अंतर्गत वृक्षारोपण, जल संचयन तथा प्लास्टिक कचरे के उचित निस्तारण पर बल दिया गया। नागरिक अनुशासन के अंतर्गत स्वयं अनुशासित रहकर समाज में जागरूकता फैलाने का संदेश दिया गया।वहीं ह्लस्वह्व की भावना के अंतर्गत स्वदेश एवं स्वदेशी के प्रति आग्रह को प्रोत्साहित किया जा रहा है। पथ संचलन नगर के प्रमुख मार्गों से अनुशासनबद्ध ढंग से निकाला गया। यह संचलन बाल विद्या भवन से प्रारंभ होकर सिनेमा चौराहा, बड़ा चौराहा, अटल चौराहा एवं सोल्जर बोर्ड चौराहा से होते हुए पुनः बाल विद्या भवन पर सम्पन्न हुआ। संचलन को देखने के लिए मार्ग के विभिन्न स्थानों पर नागरिकों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही।अनेक स्थानों पर नागरिकों ने पुष्प वर्षा कर स्वयंसेवकों का अभिनंदन किया।

गांव चलो अभियान के तहत विधायक जवाहर लाल राजपूत ने ग्राम परसुआ में किया जनसंवाद

अमन लेखनी समाचार

गरौठा। भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे गांव चलो अभियान के अंतर्गत रविवार को गरौठा विधायक जवाहर लाल राजपूत ग्राम परसुआ पहुंचे, जहां उन्होंने ग्रामीणों एवं किसानों से सीधा संवाद किया। इस दौरान क्षेत्र के लोगों ने अपनी समस्याएं और सुझाव विधायक के समक्ष रखे। विधायक ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सरकार और जनता के बीच संवाद को मजबूत करना तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं को सीधे ग्रामीणों तक पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि सरकार जन-जन तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।उन्होंने आगे कहा कि बिना किसी भेदभाव के सभी वर्गों के लिए योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनमें आयुष्मान कार्ड, किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना तथा विभिन्न पेंशन योजनाएं प्रमुख हैं।इन योजनाओं का लाभ जरूरतमंद लोगों तक निरंतर पहुंचाया जा रहा है और आगे भी यह प्रक्रिया जारी रहेगी। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ।

गो-सेवा आयोग की टीम ने गौ संरक्षण योजनाओं की प्रगति का लिया जायजा

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश गो-सेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश कुमार शुक्ला एवं सदस्य दीपक गोयल ने सोनभद्र का दौरा कर गौ संरक्षण से जुड़ी योजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल गुप्ता भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। दौरे के दौरान अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के नेतृत्व में प्रदेश में गौ सेवा को नया आयाम मिला है। सरकार ने निराश्रित गोवंश के संरक्षण को मानवीय और सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में अपनाते हुए व्यापक स्तर पर कार्य किया है। प्रदेश में वर्तमान समय में 7,700 से अधिक गो-आश्रय स्थल सक्रिय रूप से संचालित किए जा रहे हैं, जहां 16 लाख से अधिक गोवंश को आश्रय, भोजन और चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है, जहां निराश्रित गोवंश के भरण-पोषण के लिए ?50 प्रतिदिन की सहायता राशि दी जा रही है। गौशालाओं की निगरानी को और अधिक पारदर्शी बनाने के लिए 5,446 गौशालाओं में 7,592 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनसे 24 घंटे मॉनिटरिंग की जा रही है। साथ ही हाईटेक मॉनिटरिंग सिस्टम लागू कर पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की गई है। ह्यनिराश्रित गोवंश सहभागिता योजनाह्न के माध्यम से गौ संरक्षण को जन आंदोलन का रूप दिया गया है। इस योजना के तहत अब तक 1,67,065 गोवंश को गोपालकों को सुपुर्द किया जा चुका है। डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के माध्यम से गोपालकों के खातों में सीधे सहायता राशि भेजी जा रही है, जिससे उनकी आय में भी वृद्धि हो रही है। जनपद सोनभद्र में 8 गौ-आश्रय स्थलों में कुल 2,814 गोवंश संरक्षित हैं, जबकि 368 गोपालकों द्वारा 1,057 गोवंश को अपनाया गया है, जो सामुदायिक भागीदारी का एक अच्छा उदाहरण है। इसके साथ ही गोवध निवारण अधिनियम 1955 के तहत सख्त कार्रवाई की जा रही है और सरकार ने इस मामले में जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई है।अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि भ्रामक प्रचार फैलाने वालों के खिलाफ भी सख्ती से कार्रवाई की जा रही है और समय-समय पर निरीक्षण जारी है।

खास समाचार

नहर में नहाने गए पुलिसकर्मी की दर्दनाक डूबकर मृत्यु, शव की तलाश जारी

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। जनपद के टड़ियावां थाना क्षेत्र में रविवार को एक अत्यंत दुःखद घटना घटित हो गई, जिसने पूरे क्षेत्र को शोकाकुल कर दिया। नहर में स्नान करने गए एक पुलिसकर्मी की गहरे पानी में डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर हड़कंप मच गया और हर किसी की आंखें नम हो उठीं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रशिक्षण पर तैनात पुलिसकर्मी गौरव उर्फ राजन तीन पुलिसकर्मी और तीन स्थानीय लोग टड़ियावां क्षेत्र के रसूलापुर के सामने नहर में स्नान करने गए थे। इसी दौरान अचानक उनका संतुलन बिगड़ गया और वह गहरे पानी में समा गए। साथ मौजूद लोगों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंच गए। गोताखोरों की मदद से लगातार तलाशी अभियान चलाया जा रहा है, लेकिन समाचार लिखे जाने तक शव बरामद नहीं हो सका था। इस हृदयविदारक घटना से पुलिस विभाग सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। मृतक पुलिसकर्मी के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

हथौड़ा चौराहे पर मारपीट मामले में रिपोर्ट दर्ज

अमन लेखनी समाचार

पचदेवरा। थाना क्षेत्र के अंतर्गत हथौड़ा चौराहे पर बुधवार को दो पक्षों में मारपीट हो गई थी जिसमें गांव खैरापुर थाना पाली निवासी देवीराम ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि श्री बालाजी टेंट हाउस जो हथोड़ा चौराहे पर स्थित है जिस पर वह काम करता है, बुधवार को दुकान के पास जूस का ठेला लगाए शिवा कश्यप निवासी भैंसीनगला थाना पाली को किसी बात को लेकर हथौड़ा गांव के मोनू, रजत, अंशुल, नन्हे भैया, प्रिंस के साथ शिवा को गाली देते हुए मारने पीटने लगे पीड़ित उसको बचाने के लिए पीड़ित आगे बढ़ा तो उसको भी जाति सूचक गाली देते हुए मारने पीटने लगे और शोर मचाने पर राजमंगल व मिथुन निवासी हड़हा मलिकापुर थाना पाली निवासी मौके पर आ गए और इन लोगों ने भी बचाने वाले को भी लात घुसो डंडों ईंटों से मारा पीटा जिससे कि हम सभी लोगों के शरीर पर जगह-जगह चोट के निशान लगे हुए हैं। थाना प्रभारी पचदेवरा शिवनारायण सिंह ने बताया कि मामले में जांच के बाद शनिवार को अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है और जांच जारी है।

उप डाकघर शाहाबाद शाखा में कर्मचारियों की लेट लतीफी व सांठगांठ से प्रतिदिन उमड़ती आधार के लिए भीड़

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद, (हरदोई)। स्थानीय मुख्य डाकघर में आधार कार्ड बनवाने और संशोधन कराने वाले उपभोक्ताओं की सुध लेने वाला कोई नहीं है। बच्चों के स्कूल में दाखिले का सत्र शुरू होते ही आधार की मांग तेजी से बढ़ी है. लेकिन पोस्ट ऑफिस की बदहाल व्यवस्था और कर्मचारियों की मनमानी ने आम जनता को मुसीबत में डाल दिया है। आलम यह है कि लोग सुबह तड़के से ही कतारों में लग जाते हैं, लेकिन जिम्मेदार कर्मचारी 10 बजे तक भी अपनी कुर्सियों पर नजर नहीं आते। सिस्टम की इस घोर लापरवाही के कारण लोगों के जरूरी काम लटके हुए हैं। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि आधार कार्ड बनाने वाले कर्मचारियों ने बाहर के एक निजी दुकानदार से ₹सेटिंग₹ कर रखी है। चर्चा है कि जो लोग सीधे लाइन में लग रहे हैं, उन्हें टरका दिया जाता है, जबकि बाहरी दुकानदारों के माध्यम से आने वाले आवेदनों का प्राथमिकता पर निस्तारण किया जा रहा है। इसी साठगांठ के चलते आम उपभोक्ता सुबह से शाम तक लाइन में खड़े होकर खाली हाथ लौटने को मजबूर हैं। सरकारी कार्यालयों में आधार के बिना कोई कार्य संभव नहीं है. ऐसे में डाकघर की यह सुस्ती लोगों के धैर्य की परीक्षा ले रही है।

थाना कछवां पुलिस द्वारा चोर गैंग का पर्दाफाश, 06 शातिर चोर गिरफ्तार, भारी मात्रा में चोरी का इलेक्ट्रानिक सामान बरामद

अमन लेखनी समाचार

मीरजापुर। थाना कछवां जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 06.04.2026 को वादी दिनेश कुमार सिंह पुत्र अभय नारायण सिंह निवासी बरैनी थाना कछवां जनपद मीरजापुर द्वारा अज्ञात चोरों के विरूद्ध घर का छज्जा तोड़ कर किमती इलेक्ट्रानिक के तार व प्लम्बर के सामान की चोरी के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई। उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना कछवां पर मु0अ0सं0-62/2026 धारा 305,331(4) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई। अपर्णा रजत कौशिक पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा उक्त चोरी की घटना को गंभीरता पूर्वक लेते हुए अपर पुलिस अधीक्षक नगर, प्रभारी थानाध्यक्ष के रुप में कार्यरत सहायक पुलिस अधीक्षक (प्रशिक्षणाधीन) व क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में घटना से सम्बन्धित अभियुक्तों की गिरफ्तारी व बरामदगी करने हेतु थाना प्रभारी कछवां को निर्देश दिये गये। उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना कछवां पर पंजीकृत मुकदमा उपरोक्त में पतारसी-सुरागरसी, भौतिक व इलेक्ट्रानिक साक्ष्य के आधार पर दिनांकः 11.04.2026 को थाना कछवां पुलिस टीम द्वारा प्रकाश में आये 06 अभियुक्तों 1. सुरेश यादव पुत्र लालमनी यादव, निवासी सहसेपुर, थाना औराई, जनपद भदोही, 2. स्वतंत्र कुमार उर्फ पिन्टू पुत्र प्यारेलाल, निवासी ग्राम गौड़, थाना मिजार्मुराद, जनपद वाराणसी, 3. शिवदयाल पुत्र रमाशंकर, निवासी टाड़, थाना कोतवाली देहात, जनपद मीरजापुर, 4. आकाश यादव उर्फ आदर्श पुत्र मुन्ना यादव, निवासी बजहां, थाना कछवां, जनपद मीरजापुर, 5. वैभव सिंह उर्फ बाबी पुत्र भाला सिंह, निवासी सहसेपुर, थाना औराई, जनपद भदोही, व 6.अर्जुन शर्मा पुत्र सुरेन्द्र शर्मा, निवासी बजहा, थाना कछवां, जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार कर चोरी के 01 बैटरी, 01 इन्वर्टर, 04 बंडल बीजली का तार, 08 साउंड स्पीकर, 04 एम्पलीफायर, 01 साउंड मिक्सर, 03 माइक, 01 कम्प्यूटर सेट अन्य बीजली के सामान तथा मोटर साइकिल के पार्टस (02 मोटर साइकिल के इंजन व अन्य पार्टस) तथा चोरी मे प्रयुक्त औजार, 01 मालवाहक पिकअप वाहन (बिना नम्बर प्लेट) व 01 मोटर साइकिल बरामद की गयी। थाना कछवां पुलिस द्वारा गिरफ्तार अभियुक्तों के विरूद्ध नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया।

अखिल भारतीय यदुवंशी महासभा के तत्वाधान में सम्मान समारोह सम्पन्न

अमन लेखनी समाचार

झांसी। अखिल भारतीय यदुवंशी महासभा के तत्वाधान में भोजला स्थित अभिराज रिसोर्ट में भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सांसद डॉ. चंद्रपाल सिंह यादव उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व गरौठा विधायक दीप नारायण सिंह यादव शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व एमएलसी श्याम सुंदर सिंह यादव ने की। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। इनमें गोपुरा निवासी प्रिंसी यादव (असिस्टेंट कमिश्नर, कमर्शियल टैक्स), रोहित यादव (असिस्टेंट मैनेजर, मध्य प्रदेश भवन विकास निगम), खुशबू यादव (समीक्षा अधिकारी), सोनिया यादव (कमर्शियल टैक्स ऑफिसर), श्रीमती राधिका यादव (डॉक्टरेट उपाधि), अर्पित यादव (लोको पायलट), शिवराज यादव (अंडर-19 क्रिकेट), कपिल यादव (राज्य स्तरीय कुश्ती स्वर्ण पदक विजेता) तथा बलवान सिंह यादव (डॉक्टरेट उपाधि) सहित कई प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। इसके अलावा एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे देवेंद्र प्रताप, प्रिंस यादव (मैनपुरी), अभिषेक यादव (गाजीपुर), वरुण यादव (सीकर), आदित्य यादव (जयपुर), मोहित यादव (अलवर), शिवांश यादव (इलाहाबाद), कुशाग्र यादव (जयपुर), धर्मेंद्र यादव, वीरेंद्र यादव (बस्ती), रविंद्र कुमार, अंकित यादव (वाराणसी) सहित अनेक युवाओं को पट्टिका पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण श्याम जादूगर का जादू प्रदर्शन रहा, जिसने उपस्थित लोगों का भरपूर मनोरंजन किया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष (सांस्कृतिक प्रकोष्ठ) यदुकुल नंदन सांवरिया, मंडल अध्यक्ष प्रदीप टांडा, मंडल प्रभारी प्रवेश यादव, जिला अध्यक्ष भवानी सिंह, मंडल कोषाध्यक्ष वीरेंद्र यादव, मंडल सचिव राममिलन यादव, जिला संरक्षक सीताराम यादव, जिला कोषाध्यक्ष संतोष यादव, बबीना विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप यादव (मोनू) सहित अनेक पदाधिकारी एवं सैकड़ों लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रदीप टांडा ने किया, जबकि अंत में बलवान यादव ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

मिजार्पुर के अधिवक्ता राजीव सिंह की हत्या दुःखद- राकेश शरण मिश्र

(हत्यारोपियों की गिरफ्तारी और कठोर कारवाई हेतु मुख्यमंत्री को लिखा पत्र)

(पीड़ित परिवार को एक करोड़ की आर्थिक मदद एवं एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मुख्यमंत्री से किया मांग)

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। संयुक्त अधिवक्ता महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष राकेश शरण मिश्र ने मिजार्पुर में अधिवक्ता राजीव सिंह की सुबह टहलने के समय अज्ञात बदमाशों द्वारा गोली मारकर हत्या के विरोध में कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर हत्यारोपियों की जल्द से जल्द गिरफ़्तारी एवं कठोर कारवाई की मांग की है। श्री मिश्र ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा है कि मिजार्पुर जनपद में अधिवक्ता राजीव सिंह की नृशंस एवं अमानवीय हत्या की घटना ने पूरे प्रदेश के अधिवक्ता समाज को गहरे आक्रोश एवं शोक में डाल दिया है। यह घटना न केवल कानून व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती है, बल्कि अधिवक्ताओं की सुरक्षा को लेकर भी अत्यंत चिंताजनक स्थिति उत्पन्न करती है। संयुक्त अधिवक्ता महासंघ, उत्तर प्रदेश इस जघन्य कृत्य की कड़ी निंदा करता है और प्रदेश सरकार एवं प्रशासन से अपेक्षा करता है कि इस घटना में संलिप्त सभी आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए एवं आरोपियों के विरुद्ध कठोरतम धाराओं में मुकदमा दर्ज कर शीघ्र न्यायिक प्रक्रिया प्रारंभ की जाए, जिससे उन्हें पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके। साथ ही मृतक अधिवक्ता के पीड़ित परिवार को कम से कम एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता एवं परिवार के एक सदस्य को सरकारी सेवा में नियुक्ति प्रदान की जाए।

दहशत! चौकी से चंद कदम की दूरी दिनदहाड़े और गांव के बीचो बीच बुजुर्ग महिला से लूट की वारदात

अमन लेखनी समाचार

नसीराबाद रायबरेली/नसीराबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत चौकी परैया नमस्कार के चंद कदम की दूरी पर अज्ञात बाइक सवार तीन बदमाशों ने गुमटी में कर रही दुकान बुजुर्ग महिला के साथ दिन दहाड़े लूट की घटना को अंजाम देकर फरार हो गए बताये है कि तीनों बाईक के साथ दुकान पर पहुंचे और दो पान पुड़िया लेने गए और वहीं तीसरा बाईक चालू कर रख्खा था पुड़िया लेने पर सौ का नोट दिया तो बुजुर्ग महिला द्वारा रूपए वापस करने के लिए बक्के में पैसा निकालने को हाथ बढ़ाया तभी गले में 50 हजार का मंगलसूत्र लूटकर फरार हो गए सूचना पर नसीराबाद पुलिस बल के साथ सलोन सिओ यदुवेंद्र सिंह और अपर एसपी आलोक सिंह मौके पर पहुंच कर घटना का जायजा लिया और छानबीन कर तहरीर पर बिधिक कार्रवाई का भरोसा दिलाया मामला शनिवार दोपहर 12:30 बजे का है पीड़ित ने तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की लेकिन हर बार की तरह इस बार भी पुलिस का फरमान पहले जांच फिर कार्रवाई की बात कहीं पीड़ित ग्राम पंचायत परैया नमस्कार निवासी राम फेर पासी द्वारा तहरीर में बताया कि शनिवार समय करीब 12:30 बजे पत्नी सोनावती उम्र करीब 60 वर्ष गांव के बीच अपने घर के सामने पान की गुमटी की दुकान पर बैठी थी कि उसी समय तीन अज्ञात व्यक्ति सफेद अपाची मोटरसाइकिल से दुकान पर आए और पान गुटखा मसाला मांगा और तभी तीनों अज्ञात हमलावर पत्नी के गले में पहन रख्खा सोने का मंगलसूत्र लूकर फरार हो गए पत्नी ने गुहार लगाई तब तक हमलावर मौके से फरार होने में कामयाब रहे अपर एसपी आलोक सिंह का कहना है कि तहरीर पर विधिक कार्यवाही होगी

पहले रेकी फिर वारदात को दिया अंजाम

नसीराबाद रायबरेली/बताया जाता है कि जिस तरह चौकी से चंद दूरी और बीच गांव में महिला के साथ लूट की वारदात को अंजाम दिया गया है उस हिसाब से बदमाशों ने पहले रेकी की फिर अंजाम दिया थाना क्षेत्र में लूट चोरी वारदात आम बात हो गई है इससे पहले भी रेकी कर पीआरडी होमगार्ड की बुजुर्ग पत्नी के साथ लाखों जेवरात की लूट हो चुकी है जिसमे आरोपी पुलिस पकड़ से कोसों दूर है

क्या बदमाशों तक पहुंचेगी पुलिस

नसीराबाद रायबरेली/थाना क्षेत्र में अब एक नहीं दो लूट वारदातों को पुलिसिया छानबीन में कड़ी मशक्कत करनी पड़ेगी जबकि इससे पहले भी पुलिस किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सकी है जिस गली से बदमाश गांव में प्रवेश हुए वर्तमान प्रधान का घर और तीसरा आंख का पहरा है अंजाम देने के बाद बदमाश ईटरौरा और डीघा नहर के रास्ते से फरार होने की संभावना जताई जा रही बड़ा सवाल क्या बदमाशों तक पहुंच पाऐगी पुलिस

रेलवे चोपन एरिया ने एक दिन में 103 रैंक कोयला लदान कर बनाई नई पहचान

अमन लेखनी समाचार

चोपन सोनभद्र। ईस्ट सेंट्रल रेलवे के अंतर्गत धनबाद डिवीजन के चोपन एरिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 31 मार्च को 103 कोयला रैक की लदान किया जो अब तक का सबसे हाई है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में धनबाद मंडल चोपन के बदौलत सबसे ज्यादा लदान कर पूरे भारतीय रेलवे में नंबर 1 बना। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में शनिवार को कंट्रोल ऑफिस में एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसकी अध्यक्षता डीटीएम चोपन ने की। कार्यक्रम में रेलवे कर्मचारियों को बुलाकर उनके उत्कृष्ट कार्य की सराहना की गई और उन्हें सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर डीटीएम रंजीत कुमार ने कहा कि चोपन क्षेत्र के कर्मचारियों ने दिन-रात मेहनत कर इस मुकाम को हासिल किया है उन्होंने सभी कर्मचारियों की मेहनत, लगन और टीमवर्क की प्रशंसा करते हुए गर्व व्यक्त किया उन्होंने आगे कहा कि उन्हें ऐसे समर्पित कर्मचारियों के साथ काम करने का अवसर मिला है, जो हर परिस्थिति में एकजुट होकर कार्य करते हैं उन्होंने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी वे कर्मचारियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करते रहेंगे। इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है और कर्मचारियों का उत्साह भी बढ़ा है। इस मौके पर सीआईटी चोपन सह शाखा सचिव ईसीआरकेयू उमेश कुमार सिंह ने शानदार उपलब्धि में अपना योगदान देने के लिए समस्त कर्मचारियों को और कुशल नेतृत्व व कर्मचारियों को सम्मानित करने के लिए मण्डल यातायात प्रबंधक चोपन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया।

हजारों श्रद्धालुओं के साथ पैदल मेला रतनगढ़ के लिए रवाना, जगह-जगह हुआ स्वागत

अमन लेखनी समाचार

गरौठा। गरौठा क्षेत्र से रतनगढ़ माता मंदिर के दर्शन हेतु लगभग 1000 श्रद्धालुओं का पैदल मेला उत्साहपूर्वक रवाना हुआ। श्रद्धालु 101 पताकाएं चढ़ाने के उद्देश्य से नागर, भदरवारा खुर्द, लखावटी और मढ़ोरी सहित विभिन्न गांवों से एकत्रित होकर भक्ति भाव के साथ यात्रा पर निकले। यात्रा के दौरान भक्तजन डीजे की धुन पर नाचते-गाते आगे बढ़ते रहे, जिससे पूरे मार्ग में उत्सव जैसा वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और आस्था देखने को मिली। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर ग्रामीणों द्वारा मेले का भव्य स्वागत किया गया। कहीं शरबत, कहीं फल तो कहीं मिष्ठान वितरित कर श्रद्धालुओं का अभिनंदन किया गया।इस मौके पर ग्राम प्रधान नागर अनुज कुमार द्विवेदी सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे। जानकारी के अनुसार, यह मेला प्रतिवर्ष खेती-किसानी के कार्यों से अवकाश मिलने के बाद आयोजित किया जाता है। आज मेले का रात्रि विश्राम पूंछ में निर्धारित है।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक– श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews@gmail.com

हमारे अतीत की पहचान, मानवीय सभ्यता की निशानियां, ऐतिहासिक धरोहरें हम सभी का गौरव हैं। लेकिन आपदाओं और मानवीय संघर्षों से इनके अस्तित्व पर भी संकट मंडराने लगा है। ऐसे में विश्व विरासत दिवस की इस वर्ष की थीम 'संघर्षों और आपदाओं के संदर्भ में जीवंत विरासत के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया'-अत्यंत सामयिक है। हम सभी को विरासतों के संरक्षण के लिए संकल्पित होना चाहिए।

संघर्षों-आपदाओं के इस दौर में लें विश्व धरोहरों के संरक्षण का संकल्प

कवर स्टोरी

शिखर चंद जैन

बीते कुछ वर्षों से विश्व भर में कई जगहों पर युद्ध और संघर्ष की भयावह स्थिति बनी हुई है। प्राकृतिक और मानवकृत आपदाएं भी अपने चरम पर हैं। आज दुनिया जिस मोड़ पर खड़ी है, वहां केवल मानव जीवन ही नहीं, बल्कि हमारी सदियों पुरानी पहचान, हमारी विरासत भी खतरे में है। इस वर्ष विश्व धरोहर दिवस की थीम हमें याद दिलाती है कि जब जानलेवा और विध्वंसक मिसाइल और बम गिरते हैं या नदियां, सागर उफनते हैं, पहाड़ दरकते हैं, तो केवल इमारतें नहीं ढहतीं, बल्कि एक सभ्यता की आत्मा घायल होती है। ऐसे में हमारी सदियों पुरानी अनमोल धरोहरों का संरक्षण, चिंता का बड़ा विषय बन गया है। ये विरासतें कई प्रकार की हैं, धार्मिक, सांस्कृतिक, प्राकृतिक, ऐतिहासिक और जीवंत। ये हमारी पहचान हैं। ये हमारे पूर्वजों, महापुरुषों और विद्वानों की स्मृति के साथ-साथ आने वाली पीढ़ी के लिए एक दस्तावेज जैसी हैं, जिन्हें सुरक्षित और संरक्षित रखना अत्यंत आवश्यक है।

जीवंत विरासत का अर्थ

'जीवंत विरासत' का मतलब सिर्फ पत्थर की दीवारें नहीं होती हैं। इसमें हमारी लोक कथाएं, पारंपरिक संगीत, हस्तशिल्प और वे त्योहार भी शामिल होते हैं, जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलते आ रहे हैं। संघर्ष के समय जब लोग विस्थापित होते हैं, तो ये 'अमूर्त विरासत' ही उन्हें अपनी जड़ों से जोड़े रखती हैं। इन्हें बचाना मानवीय गरिमा को बचाने जैसा है। जाहिर है, यह थीम केवल इमारतों या स्मारकों तक सीमित नहीं है, बल्कि 'लिविंग हेरिटेज' यानी हमारी परंपराओं, लोक कलाओं, भाषाओं और उत्सवों पर जोर देती है, जो मानवीय अस्तित्व का अभिन्न अंग हैं।

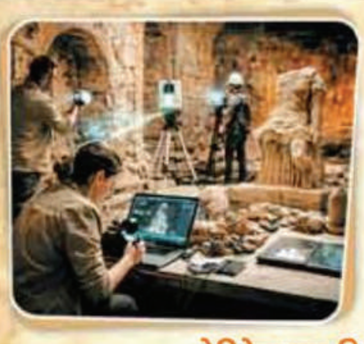

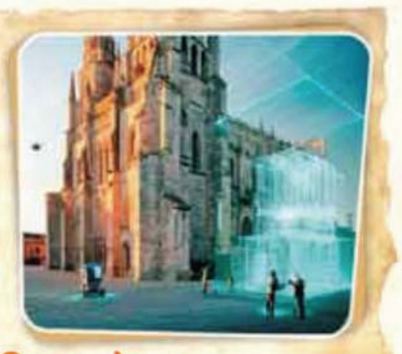

हेरिटेज का डिजिटलाइजेशन

आपदाओं में भौतिक नुकसान की भरपाई संभव नहीं होती, इसलिए आधुनिक तकनीक (3डी मैपिंग, क्लाउड स्टोरेज) के जरिए विरासत का डिजिटल रिकॉर्ड रखना अनिवार्य हो गया है ताकि भविष्य में पुनर्निर्माण किया जा सके। भौतिक रूप से नष्ट हुई विरासत को दोबारा जीवित करने का एकमात्र तरीका 'डिजिटल ट्विन' तकनीक है। 3डी लेजर स्कैनिंग और ड्रोन मैपिंग के जरिए हर बारीक नक्काशी का रिकॉर्ड रखना अब जरूरत बन गई है, ताकि भविष्य में पुनर्निर्माण सटीक हो सके।

दोहरे खतरों की पहचान

वर्तमान में दुनिया भर में विरासत दो प्रमुख मोर्चों पर खतरे में है: पहला, मानव निर्मित सशस्त्र संघर्ष (युद्ध) और दूसरा, प्रकृति जनित जलवायु परिवर्तन व आपदाएं (बाढ़, भूकंप, आग)। बदलते मौसम, अनियंत्रित बाढ़ और भूकंप ने कई प्राचीन शहरों को मलबे में बदल दिया। इसलिए जरूरी है कि आपदा प्रबंधन की योजना में ऐतिहासिक स्मारकों को भी प्राथमिकता दी जाए, ताकि मलबे के साथ इतिहास न दफन हो जाए।

सांस्कृतिक पहचान पर न हो प्रहार

युद्ध और संघर्ष के दौरान अकसर सांस्कृतिक प्रतीकों को जानबूझकर निशाना बनाया जाता है ताकि किसी समुदाय की पहचान और मनोबल को तोड़ा जा सके। जब युद्ध और सशस्त्र संघर्ष का क्रूर प्रहार होता है तो सांस्कृतिक पहचान पर चोट पहुंचती है। रूस-यूक्रेन से लेकर मध्य-पूर्व (फिलिस्तीन-इजरायल और ईरान-अमेरिका) तक के मौजूदा संघर्षों में हमने देखा है कि ऐतिहासिक संग्रहालयों और पुस्तकालयों को निशाना बनाया गया। इस वर्ष की थीम का मुख्य उद्देश्य, युद्ध क्षेत्रों में इन संपत्तियों को (नो-वॉर जोन) के रूप में मान्यता दिलाना और उनके विनाश को 'युद्ध अपराध' के रूप में कड़ाई से लागू करना है। थीम इसके विरुद्ध एक सुरक्षा कवच तैयार करने की वकालत करती है।

त्वरित प्रतिक्रिया की आवश्यकता

विरासत के संरक्षण के लिए त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र विकसित करना जरूरी है, जैसे आग लगने पर फायर ब्रिगेड पहुंचती है, वैसे ही विरासत के लिए 'कल्चरल फर्स्ट एड' की जरूरत होती है। इसमें विशेषज्ञों की ऐसी टीमें शामिल होनी चाहिए, जो संकट के पहले 48 घंटों में कीमती पुरावशेषों को सुरक्षित स्थान पर ले जा सकें या उन्हें प्रोटेक्ट कर सकें। आपदा के समय जिस तरह इंसानी जान बचाने के लिए 'फर्स्ट रिस्पॉन्स' टीम होती हैं, उसी तरह विरासत को बचाने के लिए भी एक त्वरित कार्य योजना और प्रशिक्षित विशेषज्ञों की जरूरत होती है।

स्थानीय समुदायों की भूमिका

विरासत का असली संरक्षक वह समुदाय है, जो वहां रहता है। संघर्ष के समय स्थानीय लोगों को 'हेरिटेज वॉरियर्स' के रूप में प्रशिक्षित करना सबसे प्रभावी बचाव साबित होता है।

नीतिगत सुधार की जरूरत

सरकारों को अपनी राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन नीतियों में 'विरासत संरक्षण' को एक अनिवार्य अध्याय के रूप में जोड़ने की आवश्यकता है। अवैध तस्करी पर लगाम लगाने की भी जरूरत है। अकसर देखा गया है कि संघर्ष और अस्थिरता के दौरान प्राचीन मूर्तियों और कलाकृतियों की चोरी और अंतरराष्ट्रीय तस्करी बढ़ जाती है। थीम का एक हिस्सा यह भी है कि आपातकालीन स्थिति में अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर सांस्कृतिक संपदा की निगरानी सख्त की जाए।

भविष्य की तैयारी

इस वर्ष की थीम हमें याद दिलाती है कि विरासत को बचाना केवल अतीत का सम्मान नहीं है, बल्कि अनिश्चित भविष्य के लिए अपनी जड़ों को सुरक्षित रखना है। संकट के समय विरासत बचाने के लिए भारी धन की आवश्यकता होती है। यूनेस्को और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को एक 'इमरजेंसी हेरिटेज फंड' को और मजबूत करना होगा, ताकि गरीब और विकासशील देशों की विरासत को संसाधनों के अभाव में नष्ट होने से बचाया जा सके।

नागरिक भी बनें जागरूक

विरासत की रक्षा एक सरकारी जिम्मेदारी से बढ़कर एक नागरिक कर्तव्य भी है। शिक्षा और मीडिया के माध्यम से युवाओं को यह समझाना होगा कि अगर हमारी विरासत मिट गई, तो हमारे पास आने वाली पीढ़ियों को सुनाने के लिए कोई कहानी नहीं बचेगी। लोगों को बताना होगा कि विरासत की रक्षा कोई 'सॉफ्ट टारगेट' नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक शांति का हिस्सा है। संघर्ष थमेंगे और आपदाएं बीत जाएंगी, लेकिन जो विरासत हम खो देंगे, वह कभी वापस नहीं आएगी। समय आ गया है कि हम अपनी पहचान को बचाने के लिए 'रिएक्टिव' होने के बजाय 'प्रोएक्टिव' बनें। *

अंतरराष्ट्रीय सहयोग

युद्ध क्षेत्रों में सांस्कृतिक संपत्ति की सुरक्षा के लिए 'हेग कन्वेंशन' और 'ब्लू शील्ड' जैसे अंतरराष्ट्रीय मानकों का सख्ती से पालन करना समय की मांग है। जब कोई समुदाय युद्ध या आपदा से उबरता है, तो अपनी परंपराओं (जैसे सामूहिक नृत्य या उत्सव) को फिर से शुरू करना उनके मानसिक स्वास्थ्य के लिए मरहम का काम करता है। विरासत केवल बीता हुआ कल नहीं, बल्कि भविष्य की आशा है। आपदा या युद्ध के बाद जब लोग अपनी परंपराओं और उत्सवों (लिविंग हेरिटेज) की ओर लौटते हैं, तो यह सामाजिक एकजुटता को वापस लाने में मदद करता है।

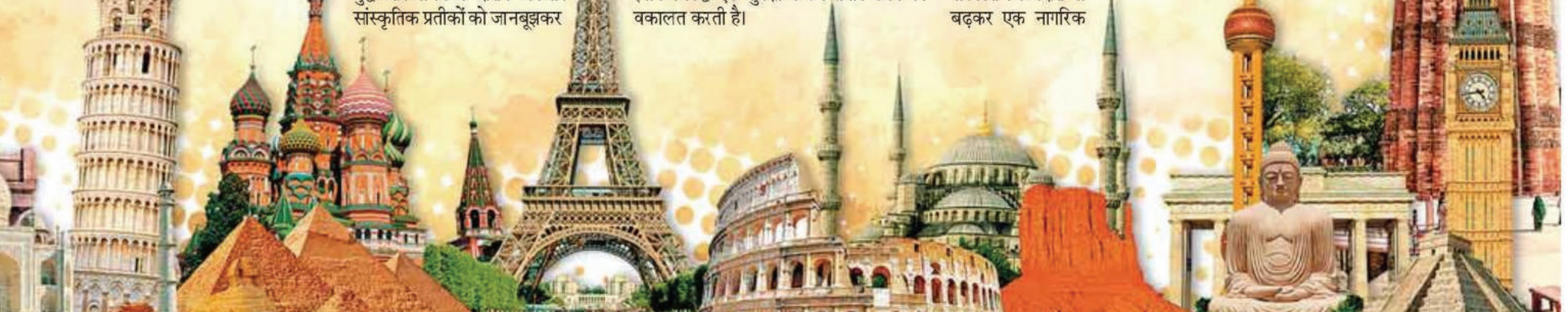

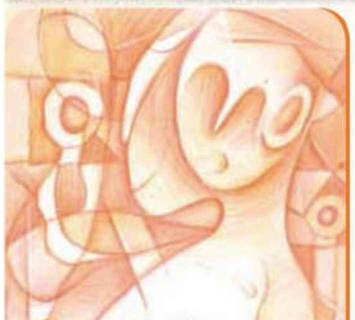

नवगीत

माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

प्रथम गीत लिखने वाले ने

प्रथम गीत लिखने वाले ने,
कितना दर्द सहा होगा।
आंखों से उसका हर सपना,
अनगिन बार बहा होगा।
अपने आतुर अरमानों को
ढांढ़स देकर फुसलाकर
रेतीले महलों के जैसे
सागर तट तक ले जाकर
जितनी बार बनाया होगा,
उतनी बार ढहा होगा।
राग से विमुखता होने पर,
मन होता है वैरागी
सिंचित हुए बिना मधुरस के
कौन हुआ है अनुरागी
कानों में चुपके से कोई
कुछ न कुछ तो कहा होगा।
जब विश्वास टूटता है तो
दिल से आह निकलती है
बागी होकर स्वयं लेखनी
अपनी राह बदलती है
दुख देने वाला मानस में,
कोई नाम रहा होगा।

व्यंग्य / भूपेंद्र भारतीय

विचारक बनने की हवा

भिया का मन मंच की ओर जाने के लिए तड़फड़ाने लगा। शब्द विचार बनने को बेताब होने लगे, भिया का विचारक व्यक्तित्व अवतरण लेने लगा। दुनिया को एक और विचारक मिलने वाला है।

भिया इन दिनों विचारक बनने की यात्रा में हैं। चुनाव दूर है तो यही कर लिया जाए। ऐसा भिया के मन में विचार उमड़ा। विचार क्या, यह भिया के लिए क्रांतिकारी कदम जैसा है। अब तक माला, माइक, मंच व फोटो की ही हवा चल रही थी, लेकिन विचारों की हवा का अभाव था! भिया को फिर विचार आया कि इन सभी के साथ मुझे एक बड़ा विचारक भी होना चाहिए। जनता बात-बात में माइक पकड़ा देती है। ऐसे में बिना विचार के विचारक कैसे बन सकते हैं? मंच का संचालन करने वाला तो दो शब्द कहने को ही कहता है लेकिन वे दो शब्द मंच से जनता तक पहुंचाने में बड़ी मशक्कत करनी होती है। कभी-कभी तो विचारों के आभाव में एक शब्द भी नहीं निकलता। सिर्फ हवा ही माइक से निकलती है। इन सभी बातों को ध्यान में रखकर भिया आजकल विचारक बनने के लिए लंबी-लंबी चिंतन बैठकें कर रहे हैं। कई-कई कप चाय सुड़कते हुए, सिगरेट का धुआं उड़ाते हुए कागज-कलम के साथ विचारक बनने की प्रैक्टिस करने लगे हैं।

मगर विचारक बनने की इस बेचैनी में एक तरफ विचार है कि आ नहीं रहे हैं और कार्यकर्ता भिया के लिए नए-नए मंच तैयार कर रहे हैं। भिया के विचारक बनने की हवा चलाने के लिए क्षेत्र में पहले से धंसी पड़ी कुछ संस्थाओं को पुनर्जीवित किया गया और कुछ नई संस्थाओं का निर्माण किया गया। कार्यकर्ता जी-जान से भिया के विचारक बनने की हवा बनाने लगे और इधर अभी भिया पक्के विचारक बने ही नहीं और कार्यकर्ताओं ने 'भ्रष्टाचार हटाओ अभियान' कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भिया का नाम लिखा दिया। भिया चिंतित हैं कि अब इस विषय पर मैं क्या बोलूं? यह विषय तो मेरी विपरीत धारा का है। अब तक तो भ्रष्टाचार के मामलों में हम घिरते ही आए हैं और अब इस पर विचार कैसे रखूं? इस विचित्र मामले में कैसे हवा बनाऊं? यह कैसे संभव होगा। बस, फिर क्या था! भिया को भी विपरीत परिस्थिति ने ही मार्ग दिखाया। जैसे बड़े नेता विपरीत परिस्थितियों में ही अपनी छवि को और अच्छे से चमका लेते हैं। भिया ने भी झट से अवसर को लपक लिया।

ऐसी विपरीत परिस्थिति में नए-नए विचार आने लगे, उन्हें लगने लगा। विचारक बनने की हवा शुरू हो गई है। भिया अपने विषय की भूमिका बनाने लगे। भ्रष्टाचार हटाओ अभियान सिर्फ नारा नहीं, हमारे क्षेत्र व जनता के लिए एक क्रांति लाने वाला है। ऐसे अजीबो-गरीब विचार भिया के मन में गुड़गुड़ाने लगे। भिया का मन मंच की ओर जाने के लिए तड़फड़ाने लगा। शब्द विचार बनने को बेताब होने लगे, भिया का विचारक व्यक्तित्व अवतरण लेने लगा। दुनिया को एक और विचारक मिलने वाला है। यह विचारों की क्रांति है। इससे पहले भिया चुनावों में बड़ी-बड़ी हवा बना चुके थे। विकास की हवा चलाने में भिया से बड़ा नेता आज तक उनके क्षेत्र में कोई दूसरा आया ही नहीं। शिक्षा विभाग से लेकर राजस्व विभाग तक ऐसा कोई मलाईदार विभाग भिया की टीम से छूटा नहीं, जिसमें भिया ने चुनाव जीतने के छः माह बाद ही अपनी हवा नहीं चलाई हो। लिफाफे की हवा, फिक्स रेट की हवा, ट्रांसफर की हवा, खदान लेने की हवा, ठेका देने की हवा, सरकारी नौकरी देने की हवा जैसी सैकड़ों हवाएं हैं, जो क्षेत्र में निरंतर पांच साल चलती रहीं। भिया की जीत से छः माह के बाद ही अधिकांश विभाग उनकी हवा से महकने लगे।

ऐसे ही विचार भिया के मन में क्रांति की हवा बनाने लगे। भिया को विचारक बनने की हवा धीरे-धीरे आने लगी। इस हवा को और बड़ा करने में कार्यकर्ता सोशल मीडिया का सहारा लेने लगे। जेन-जी को इस हवा से जोड़ने की कोशिश की जाने लगी।

धीरे-धीरे विचारक बनने की हवा सभी ओर फैलने लगी। सुबह जैसे ही भिया घर से क्षेत्र के लिए निकलते उनकी लग्जरी कार में लगे हूटर से उनके विचारक होने की हवा चलने लगती। फेसबुक पर जनता के नाम संदेश देने में बड़े विचारक होने की हवा का हल्ला रहता।

इधर धीरे-धीरे ऑनलाइन मीटिंग में भी भिया विचारक सिद्ध होने लगे। अपने दल में उनकी हवा बढ़ने लगी। वे एक बुद्धिजीवी की श्रेणी में आ गए। विचारक बनने की हवा ने बड़ा काम कर दिया। भिया विचारक की हवा से राजनीति में लंबा उड़ने की सोचने लगे। अपने दल की ओर से प्रवक्ता बनकर राष्ट्रीय मीडिया में बैठकर राष्ट्रीय स्तर पर हवा चलने के सपने आने लगे। भिया के चेले-चपाटे उनके लिए नए-नए मंचों का निर्माण करने लगे। विचारक बनने की हवा क्षेत्र में तीव्र गति से चलने लगी। पुराने विचारक और बुद्धिजीवी चिंतित होने लगे। भिया की विचारक बनने वाली हवा में पूरा क्षेत्र विकास की ओर अग्रसर होने लगा। *

लघुकथा / सुनील कुमार महला

कर्तव्यबोध

विशाखा एक शहर में हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में रहती थी। कॉलोनी के बीचों-बीच एक सुंदर सार्वजनिक पार्क था। चारों ओर हरे-भरे पेड़-पौधे, रंग-बिरंगे फूल, बच्चों के झूले और फिसलन-पट्टी उसे जीवंत बनाते थे। सुबह-शाम कॉलोनी के बच्चे, बुजुर्ग और परिवार के लोग वहां टहलने, बैठकर बातें करने और समय बिताने आया करते थे। गर्मियों के दिन शुरू हुए तो किसी संवेदनशील व्यक्ति ने पक्षियों के लिए पेड़ों पर सात-आठ परिंडे (मिट्टी के बर्तन) टांग दिए। पार्क के एक कोने में दाना चुगने का स्थान भी बना था, जहां तोते, कबूतर, कौवे, गौरैया और मैना आदि पक्षी आकर दाना चुगते थे। जब भीषण गर्मी पड़ने लगी तो कुछ ही दिनों में उन परिंडों का पानी सूख गया। लोग रोज पार्क में आते, घूमते, बातें करते, बच्चे खेलते, लेकिन किसी की नजर उन सूखे परिंडों पर नहीं ठहरती। विशाखा की नजर भी कई बार उन पर पड़ती, लेकिन फिर भी उसने इस ओर ध्यान देने की जरूरत नहीं समझी। मन में बस यही विचार आता-यह काम मेरा अकेले का नहीं है, कॉलोनी में और भी तो लोग हैं। एक दिन उसका बेटा अमन पार्क में खेलते-खेलते उन परिंडों के पास पहुंच गया। उसने देखा कि वे पूरी तरह सूखे पड़े हैं। घर आकर उसने अपनी मां से कहा, 'मम्मा, पार्क में पक्षियों के परिंडों में कई दिनों से पानी नहीं है।' विशाखा ने सहज भाव से उत्तर दिया, 'कॉलोनी में इतने लोग हैं, क्या सिर्फ हमारी ही जिम्मेदारी है इन्हें भरने की?' अमन ने शांत स्वर में कहा, 'मम्मा, जिम्मेदारी सबकी होती है, लेकिन सब कुछ जानते हुए भी उसे निभाने से बचना सबसे बड़ी गलती है।' बेटे की बात सुनकर विशाखा कुछ पल के लिए मौन रह गई। उसे आभास हुआ, कभी-कभी छोटे बच्चे भी हमें बड़ा सच सिखा देते हैं। विशाखा को अपने कर्तव्यबोध का अहसास हो चुका था। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

जब आदिवासी गाता है

पुस्तकः जब आदिवासी गाता है (कविता संग्रह), रचनाकारः जमुना बीनी, मूल्यः 250 रुपए, प्रकाशकः राधाकृष्ण पेपरबैक्स, दिल्ली

भारत के पूर्वोत्तर राज्य अरुणाचल प्रदेश से आने वालीं लेखिका जमुना बीनी का कविता संग्रह 'जब आदिवासी गाता है' कुछ समय पूर्व छपकर आया है। यहां, कहीं आदिवासी जीवन की त्रासदी का स्वर सुनाई पड़ता है, *'जिनको उखड़ना/ पड़ता है/ बार-बार/ अपनी जड़ों से/ उनके लिए/ वाकई/ भविष्य शब्द के/ क्या मायने हैं?'* (भविष्य)। तो कहीं प्रकृति से दूर किए जाने का दर्द भी छलकता है, *'पहाड़-पृथ्वी के प्राचीन वासी/ हमारे पुरातन संगी/ अलग नहीं कर सकते हम/ उनसे खुद को।'*(पहाड़ और आदिम निवासी)। कुछ कविताओं में आधुनिक जीवन में डिजिटल संक्रमण से पसरती संवेदनशून्यता को भी कवयित्री ने कटघरे में खड़ा किया है। इसकी बानगी इन पंक्तियों में देखी जा सकती है। *'निश्चय ही/ हमारी संवेदनाएं/ जंग खाती जा रही हैं/ वीभत्स में/ लोग अब/ लेने लगते हैं स्वाद'*(डर)। और *'जितना ज्यादा चॉइस/ उतनी अधिक कशमकश/ चॉइस की भरमार/ इनसान को/ उलझाते/ और/ भरमाते ज्यादा/ सुलझाते कम।'* (टेलिविजन चैनल)। *